दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े: www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-334 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार,रविवार, 01 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

चक्रवात फेंगल के मद्देनजर चेन्नई एयरपोर्ट की सभी उड़ानें रद्द, स्कूल-कॉलेज बंद

-तेज हवाओं के सााि बारिश का है अलर्ट

चेन्नई,

तमिलनाडु में चक्रवात फेंगल के बढ़ते खतरे के चलते राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन ने जहां खास सतर्कता बरती हुई है, वहीं इंडिगो एयरलाइंस ने चेन्नई एयरपोर्ट से आने-जाने वाली सभी उड़ानों को रद्ध कर दिया है।

चक्रवात फेंगल के कारण खराब मौसम को देखते हुए इंडिगो एयरलाइंस ने चेन्नई एयरपोर्ट पर आने और जाने वाली सभी उड़ानों को अस्थायी रूप से रद्द कर दिया है। एयरलाइंस ने यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कहा कि उड़ानों का संचालन मौसम में सुधार होने पर ही शुरू किया जाएगा। इससे पहले भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि चक्रवात फेंगल के प्रभाव से तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। हवा की गति 90 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे कराईकल और महाबलीपुरम जैसे क्षेत्रों में इसका अधिक असर पड़ सकता है।

स्कूल-कॉलेज बंद, घर से काम की सलाह

तमिलनाडु के कई जिलों, जिनमें चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू शामिल हैं में स्कूल और कॉलेजों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही, आईटी कंपनियों से अपील की गई है कि वे कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति दें।

सार्वजनिक परिवहन और जनजीवन प्रभावित

चक्रवात के कारण पूर्वी तट सड़क (ईसीआर) और ओल्ड महाबलीपुरम रोड (ओएमआर) पर सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को भी अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

फिल्म अमरन की टीम ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की

नयी दिल्ली

फिल्म अमरन की टीम ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। अमरन की टीम ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर उनसे मुलाकात की। अमरन की टीम से अभिनेता शिवकार्तिकेयन, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी और निमार्ता आर महेंद्रन शामिल थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिल्म अमरन में मेजर मुकुंद वरदराजन और भारतीय सेना की देशभक्ति और वीरता के उनके असाधारण चित्रण के लिए टीम को बधाई दी।

कमल हासन, महेंद्रन और सोनी पिक्चर्स द्वारा निर्मित और राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित फिल्म अमरन में शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अपनी रिलीज के बाद से, फिल्म को दर्शकों से शानदार समीक्षा मिल रही है और यह बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है।

'35 दिन में तीसरा हमला' : अटैक के बाद आया केजरीवाल का पहला बयान

आप के इस दावे से गरमाई दिल्ली की राजनीति

नई दिल्ली

घटना के बाद आप इल्जाम लगाते हुए इसके पीछे भाजपा का हाथ बताया। साथ ही उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर सवाल करते हुए कहा कि उनसे दिल्ली में कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है। इस हमले के बाद अब ये जग जाहिर हो चुका है।

दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में शनिवार शाम पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर एक बार फिर हमला हो गया। पदयात्रा के दौरान उन पर एक व्यक्ति ने कोई तरल पदार्थ फेंक दिया। हालांकि वहां तैनात सुरक्षा टीम ने उसे तुरंत पकड़ लिया। वारदात के बाद एकदम से राजधानी में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई। दिल्ली में होने वाले विधानसभा के मद्देनजर आप और बीजेपी के बीच आरोपों का दौर शुरू हो गया।

आप ने लगाया गंभीर आरोप

घटना के बाद आप इल्जाम लगाते हुए इसके पीछे भाजपा का हाथ बताया। साथ ही उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर सवाल करते हुए कहा कि उनसे दिल्ली में कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है। इस हमले के बाद अब ये जग जाहिर हो चुका है।

मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी ने भी बोला हमला

मुख्यमंत्री आतिशी ने इस हमले को लेकर

ट्विटर पर लिखा, आज दिन दहाड़े भाजपा के कार्यकर्ता ने अरविंद केजरीवाल पर हमला किया। दिल्ली का चुनाव तीसरी बार हारने की बौखलाहट भाजपा में दिख रही है। भाजपा वालों, दिल्ली के लोग ऐसी घटिया हरकतों का बदला लेंगे। पिछली बार आठ सीटें आई थीं, इस बार दिल्ली वाले भाजपा को जीरो सीट देंगे।

घटना के बाद केजरीवाल ने क्या कहा

घटना के बाद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के एक पॉश इलाके पंचशील में एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई थी, आज उनके परिवार से मिलकर सांत्वना दी, पूरा परिवार सदमे और दुख में है। दिल्ली में इन दिनों सीनियर-सिटिजन, महिलाएं, व्यापारी, हर वर्ग के लोग अपराधों का शिकार हो रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह जी कोई एक्शन नहीं ले रहे।

35 दिन में तीसरा हमला

आप ने कहा कि यह बीते 35 तीन में तीसरा हमला है। इससे पहले 25 अक्तूबर को विकासपुरी, 27 नवंबर को नांगलोई और आज 30 नवंबर को ग्रेटर कैलाश में हमला हुआ है। क्या बीजेपी केजरीवाल को जान से मारना चाहती है? हमला करने वालों पर क्यों कोई कार्रवाई नहीं होती?

हमले के पीछे भाजपा का हाथ

बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केजरीवाल इन दिनों रोजाना पद यात्रा कर रहे हैं। इस कड़ी में वह आज ग्रेटर कैलाश में पदयात्रा कर रहे थे। घटना के बाद आप ने इसके पीछे बीजेपी का हाथ बताते हुए हमला बोला। पार्टी ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था बरकरार रखने में नाकाम बीजेपी बौखलाई हुई है। यह हमला इसलिए हुआ है क्योंकि केजरीवाल ने कानून व्यवस्था को लेकर बीजेपी पर हमला बोला था। गृह मंत्री अमित शाह की नाकामी जग जाहिर हो गई है।

केजरीवाल ने खुद करवाया हमला

इस घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी का भी बयान आया है। पार्टी ने इसे अरविंद केजरीवाल का ही काम बताते हुए कि आप हार देखकर इस तरह की हरकत कर रही है। हम राजनैतिक पार्टी होने के नाते इस तरह के किसी भी हमले समर्थन नहीं करते हैं। हमारी अपील है कि दिल्ली पुलिस इस मामले की जांच कर सच्चाई को सामने लाए।

बहराइचः तेज रफ्तार कार ने मारी टेंपो में टक्कर, पांच की मौत छह घायल

बहराइच

उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में शनिवार को हुए एक वीभत्स सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार ने टेंपो को टक्कर मार दी, जिससे टेंपो सवार 5 लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई और कार सवार दोनों युवक समेत कुल 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, बस्ती जिले के नव्वागांव के विजय चौधरी (32) अपनी कार के साथ गांव के सोहराब (42) के साथ बहराइच आए थे ताकि अपनी गाड़ी को सही करवा सकें। शनिवार को जब वे बहराइच से वापस बस्ती लौट रहे थे, तब टेंपो सवारी लेकर वीरपुर से इकौना जा रहा था। मोहनीपुर के पास बलरामपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने अचानक टेंपो को सामने से टक्कर मार दी। टेंपो में कुल 9 लोग सवार थे, जिनमें से 5 की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। टक्कर की तीव्रता इतनी थी कि दोनों गाड़ियां सड़क किनारे गड्ढे में गिर गईं। आस-पास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और तत्काल घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया।

आज का युवा अत्याधिक ऊजार्वान

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून/रुड़की/हरिद्वार। कुलाधिपति/राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने क्वॉन्टम विश्वविद्यालय, रुड़की, हरद्वार के चौथे दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग किया। दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, ऑल राउंड परफॉर्मेंस के लिए प्रेसीडेंसी मेडल एवं डिग्रियां प्रदान कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने कहा कि आज का युवा अत्यधिक ऊजार्वान है। उन्होंने इस ऊर्जा के साथ अपने और अपने राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया, और कहा कि इस पीढ़ी को राष्ट्र, समाज और परिवार के सपनों को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि आज का समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स का है, इसके साथ ही, हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ ही आधुनिक तकनीक को साथ लेकर चलना है। राज्यपाल ने मेडल पाने वाले में छात्राओं

की अधिक संख्या को देखते हुए इसे महिला सशक्तीकरण का अच्छा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि महिलाएं लगातार आगे बढ़ते हुए राष्ट्र के विकास में अपना पूर्ण योगदान दे रही हैं।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दिशा में कार्य करने के लिए अपने परिसर में विशेष व्यवस्था की है, यह छात्र-छात्राओं के लिए एआई की दिशा में अच्छा कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों को जॉब क्रिएटर बनने की बात कही, और कहा कि किताबों से परे वास्तविक जीवन में भी अपनी पहचान बनानी पड़ेगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अनगिनत और असीमित सपने देखने की बात भी कही, और कहा कि सपने देखो और उन्हें पूरा करने में जुट जाओ। राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों से जोश के साथ विशेषज्ञता पर फोकस करने को कहा। इसके साथ ही नशे और ड्रग्स से दूरी बनाए रखने की बात कही। राज्यपाल ने कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है, हमें जीवनभर सीखना है। हमें अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते अपने गुरुजनों एवं माता-पिता के सपनों एवं आशाओं पर खरा उतरने की बात कही

फैसला लेने में वायनाड हो मार्गदर्शक

संसद में गतिरोध पर आत्मचिंतन करें जनप्रतिनिधि : धनखड़

नयी दिल्ली

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संसद में जारी गतिरोध पर जनप्रतिनिधियों को आत्मचिंतन करना चाहिए और संविधान की प्रस्तावना के अनुरूप शत-प्रतिशत कर्तव्य परायणता निभानी चाहिए।

श्री धनखड ने यहां ह्यविकसित भारत 2047 - विजन ऑफ न्यू इंडिया 3.0ह्ल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संसद हमारे प्रजातंत्र का मंदिर है और यहां लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का स्थान है। उन्होंने कहा, ह्लहमें वहां जनता की पूजा करनी चाहिए। लोगों के सपनों को साकार करना है, लेकिन हम ऐसे मंदिर की गरिमा नहीं रख पा रहे हैं। वहां विचार-विमर्श नहीं हो रहा है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि संसद बहस, संवाद, विचार विमर्श और चर्चा का स्थान है, लेकिन वहां बाधा और व्यवधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह व्यवधान में समाप्त हो गया। व्यवधान और बाधा को हथियार बना लिया गया है। उन्होंने कहा, ह्लमैं पुरजोर अपील करूंगा कि जनप्रतिनिधि अपनी आत्मा को टटोले। अपनी शपथ को ध्यान में रखें, भारत के संविधान की प्रस्तावना को सामने रखें और संसद को शत-प्रतिशत कर्तव्य परायण बनायें। उन्होंने कहा कि राजनीति के अंदर परिवर्तन के बिना कुछ नहीं होता है और देश में यह परिवर्तन हो रहा है। सर्वोच्च पद पर जनजाति की महिला और सबसे शक्तिशाली केंद्र सरकार में अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्ति हैं। इतिहास में छह दशक के पश्चात किसी प्रधानमंत्री को जनता ने तीसरी बार आशीर्वाद दिया है। श्री धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत अब सपना नहीं है। यह भारत का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है। उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के प्रति अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, विश्व आर्थिक मंच की सोच बदल रही है।

जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने दी प्रियंका को नेक सलाह

वायनाड

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को अपनी बहन व वायनाड से नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के साथ दौरे के दौरान एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अपनी पार्टी के राजनीतिक विचारधारा और संविधान की रक्षा करने की बात कहते हुए प्रियंका को एक नेक सलाह देते हुए कहा कि फैसला लेने में वायनाड के लोगों का मार्गदर्शन जरुर होना चाहिए।

जनसभा को संबोधित कर रहे राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी विचारधारा का समर्थन करती है, जो स्नेह, प्रेम और समानता पर आधारित है, जबकि उनके

राजनीतिक विरोधी नफरत, क्रोध और हिंसा फैलाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर पर यह एक लड़ाई है संविधान की रक्षा की लड़ाई, जिसमें सभी लोगों को समान व्यवहार का अधिकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वायनाड में हुई भयावह त्रासदी के बावजूद इस क्षेत्र को मदद देने से इंकार कर दिया है, और इस तरह के माहौल में लोगों की भावना ही उनकी ताकत है। इसी बीच राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी को इगित करते हुए कहा कि वायनाड के लोगों ने उन्हें संसद तक लेकर आए हैं, और उनकी भावनाओं का प्रतिनिधित्व करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रियंका को नेक सलाह दी, कि आप जो भी फैसला लें, वायनाड के लोग हमेशा आपके मार्गदर्शक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि असली ज्ञान तो लोगों के पास होता है, और गहरी समझ पाने के लिए उन लोगों से सीधे संपर्क करना चाहिए, जिन्होंने उन्हें चुनकर लोकसभा भेजा है। राहुल ने यह भरोसा जताया कि प्रियंका गांधी वायनाड के लोगों से जुड़कर उनकी समस्याओं को समझेंगी और उनका सम्मान करेंगी।

प्रियंका ने बेहतर कार्य दिलाया भरोसा

वायनाड लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद दो दिवसीय दौरे पर केरल पहुंचीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कार्य करेंगी। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा, कि वह वायनाड वापस आकर बेहद खुश हैं।

उन्होंने करीपुर हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से भी चर्चा की और भरोसा दिलाया कि वायनाड के बेहतर भविष्य के लिए वो हर संभव कार्य करेंगी।

संपादकीय

खेलने की उम्र में ब्याह

इक्कीसवीं सदी के भारत में यदि हर पांच में से एक लड़की का विवाह 18 साल से कम उम्र में हो जाए तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। पिछले एक वर्ष में दो लाख बाल विवाह कानून की सख्ती से रोके गए। निश्चित रूप से बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन ही है। जिससे बच्चियां ताउम्र पढ़ाई से वंचित हो जाती हैं और उनका शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। सही मायनों में बाल विवाह कुपोषण एवं गरीबी का ऐसा चक्र पैदा करता है जिसकी कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। चौंकाने वाले आंकड़े हैं कि पश्चिम बंगाल, बिहार व त्रिपुरा में 40 फीसदी लड़कियों के विवाह 18 साल से पहले हो जाते हैं। यही वजह है कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की है। दरअसल, यह शुरूआत उन राज्यों को लेकर की गई है,जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। तथ्य यह भी कि समाज में गरीबी और बाल विवाह में सीधा रिश्ता है। एक अध्ययन के अनुसार 75 फीसदी बाल विवाह गरीब परिवारों में होते हैं। जो कालांतर गरीबी के नये दुश्चक्र को जन्म देते हैं। निश्चित रूप से हमारे समाज में गरीबी व रूढ़िवाद के चलते इस कुप्रथा को बल मिलता है। अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि संपन्न, शिक्षित और प्रगतिशील समाजों में बाल विवाह के मामले सामान्यतः नजर नहीं आते। वहीं दूसरी ओर लिंगभेद की सोच भी इन विवाहों को बढ़ावा देती है। अभिभावक विषम परिस्थितियों के चलते अल्पवयस्क लड़कियों का विवाह करके जल्दी अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होना चाहते हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्वतंत्रता से पूर्व देश में वर्ष 1929 में बाल विवाह निषेध कानून बनने के बावजूद इस कुप्रथा पर अंकुश क्यों नहीं लग पाया। पहले धारणा थी कि असुरक्षाबोध के चलते बाल विवाह को बढ़ावा मिलता रहा है। कम से कम स्वतंत्र भारत में बाल विवाह की सोच नहीं रहनी चाहिए थी। निस्संदेह, राजग सरकार के दौरान बाल विवाह उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयास किए गए। हालिया बाल विवाह मुक्त अभियान की शुरूआत से पहले भी सरकार ने इस दिशा में पहल की थी। इससे पहले वर्ष 2006 में बाल विवाह कानून में सुधार किया गया। इसमें लड़कों के विवाह की उम्र 21 व लड़कियों के विवाह की उम्र 18 वर्ष कर दी गई थी। वहीं वर्ष 2021 में राजग सरकार ने 2006 के कानून में सुधार करके लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल करने का प्रस्ताव किया था। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट भारत में 40 फीसदी के करीब लड़कियों के 18 साल से कम उम्र में विवाह होने की बात कहती है। वहीं नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो और नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे हर रोज चार हजार से अधिक बाल विवाह होने का उल्लेख करते हैं। बाल विवाह उन्मूलन की दिशा में असम सरकार की सफलता का अकसर जिक्र होता है, जहां आंकड़ों में तेजी से गिरावट आई है। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2029 तक बाल विवाह की दर को पांच फीसदी से नीचे लाया जाए। निस्संदेह, बाल विवाह जहां बच्चियों के मौलिक अधिकारों का हनन है, वहीं उनकी शारीरिक व मानसिक क्षमताओं को भी कमतर करता है। इससे जहां लड़कियों के अधिकारों का अतिक्रमण होता है, वहीं उनके शोषण का भी खतरा रहता है। पढ़ाई बीच में छूट जाने से उनके सपने मर जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कम उम्र में शादी और बच्चे होने से उनको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पूरी पढ़ाई न होने तथा नौकरी न कर पाने की स्थिति में वे आर्थिक रूप से पतियों पर आश्रित हो जाती हैं। जिससे उनका स्वाभाविक विकास नहीं हो पाता। जिसके चलते अकसर भावनात्मक विभेद का सामना भी करना पड़ता है। बाल विवाह का होना यह भी बताता है कि हमारे समाज में अभी दहेज प्रथा का दबाव कम नहीं हुआ है। जिससे बचने के लिये अभिभावक तुरत-फुरत अल्पवयस्क लड़कियों की शादी कर देते हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी कि सिर्फ कानून बनाने से ही इस कुरीति पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता, समाज में जागरूकता लाने के लिये भी राष्ट्रव्यापी अभियान चलाना होगा।

(चिंतन-मनन)

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो? दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे।

भारतीय आर्थिक दर्शन एवं प्राचीन भारत में आर्थिक विकास

–प्रहलाद सबनानी–

भारत में वेदों, पुराणों एवं शास्त्रों में यह कहा गया है कि मानव जीवन हमें मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है। मोक्ष प्राप्ति के लिए अच्छे कर्मों का करना आवश्यक है। अच्छे कर्म अर्थात हमारे किसी कार्य से किसी पशु, पक्षी, जीव, जंतु को कोई दुःख नहीं पहुंचे एवं सर्व समाज की भलाई के कार्य करते रहें। अर्थात, इस धरा पर निवास करने वाले प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, मंगल हो। ऐसी कामना भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में की जाती है।

इसी प्रकार, धर्म के महत्व को स्वीकार करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र, नारद की नारद स्मृति और याग्वल्य की याग्वल्य स्मृति में कहा गया है कि ह्यअर्थशास्त्रास्तु बलवत धर्मशास्त्र नीतिस्थितिह्न। अर्थात, यदि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं नैतिकता के सिद्धांत के बीच कभी विवाद उत्पन्न हो जाए तो दोनों में से किसे चुनना चाहिए। कौटिल्य, नारद एवं याग्वल्य कहते हैं कि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की तुलना में यानी केवल पैसा कमाने के सिद्धांतों की तुलना में हमको धर्मशास्त्र के सिद्धांत अर्थात नैतिकता, संयम, जिससे समाज का भला होता हो, उसको चुनना चाहिए। कुल मिलाकर अर्थतंत्र धर्म के आधार पर चलना चाहिए। गुनार मृडल जिनको नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था एवं जिनकी ह्यएशियन ड्रामाह्न नामक पुस्तक बहुत मशहूर हुई थी। उन्होंने एक और छोटी किताब लिखी है जिसका नाम है ह्यअगेन्स्ट द स्ट्रीमह्न। इस किताब में उन्होंने अर्थशास्त्र को एक नैतिक विज्ञान बताया है। कुछ वर्ष पूर्व अखबारों में एक खबर छपी थी कि विश्व बैंक ने यह जानने के लिए एक अध्ययन प्रारम्भ किया है कि विकास में आध्यात्म की कितनी भूमिका है। इसी प्रकार दुनिया में यह जानने का प्रयास भी किया जा रहा है कि दरिद्रता मिटाने में धर्म की क्या भूमिका हो सकती है।

प्राचीन भारत के वेद-पुराणों में धन अर्जित करने को बुरा नहीं माना गया है। प्राचीन काल में वेदों का एक भाष्यकार हो गया है, जिसका नाम यासक था। यासक ने ह्यनिघंटूह्न नामक ग्रंथ में धन के 28 समानार्थ शब्द बताए हैं, और प्रत्येक शब्द का अलग अलग अर्थ है। दुनिया की किसी पुस्तक में अथवा किसी अर्थशास्त्र की किताब में धन के 28 समानार्थ शब्द नहीं मिलते हैं। भारत के शास्त्रों में धन के सम्बंध में उच्च विचार बताए गए हैं। भारत के शास्त्रों ने अर्थ के क्षेत्र को हेय दृष्टि से नहीं देखा है एवं यह भी कभी नहीं कहा है कि धन अर्जन नहीं करना चाहिए, पैसा नहीं कमाना चाहिए, उत्पादन नहीं बढ़ाना चाहिए। बल्कि दरिद्रता एवं गरीबी को पाप बताया गया है। हां, वेदों में यह जरूर कहा गया है कि जो भी धन कमाओ वह शुद्ध होना चाहिए। ह्यब्लैक मनीह्न नहीं होना चाहिए, भ्रष्टाचार करके धन नहीं कमाना चाहिए, स्मग्लिंग करके धन नहीं कमाना चाहिए, कानून का उल्लंघन करते हुए धन अर्जन नहीं करना चाहिए, ग्राहक को धोखा देकर धन नहीं कमाना चाहिए। मनु स्मृति में तो मनु महाराज ने कहा है कि सब प्रकार की शुद्धियों में सर्वाधिक महत्व की शुद्धि अर्थ की शुद्धि है। भारतीय शास्त्रों में खूब धन अर्जन करने के बाद इसके उपयोग के सम्बंध में व्याख्या की गई है। अर्जित किए धन को केवल अपने लिए उपभोग करना, उस धन से केवल ऐय्याशी करना, केवल अपने लिए काम में लेना, अपने परिवार के लिए मौज मस्ती करना, आदि को ठीक नहीं माना गया है। अर्जित किए गए धन को समाज के साथ मिल बांटकर, समाज के हितार्थ उपयोग करना चाहिए।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में जीवन के उद्देश्य को पुरुषार्थ से जोड़ते हुआ यह कहा गया है कि धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष, इन चारों बातों पर विचार करके मनुष्य को सुखी करने के सम्बंध में विचार किया जाना चाहिए। इसी विचार के चलते भारत के मनीषियों द्वारा अर्थ और काम को नकारा नहीं गया है। कई बार भारत के बारे में वैश्विक स्तर पर इस प्रकार की भ्रांतियां फैलाने का प्रयास किया जाता रहा है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में तो अर्थ और काम को नकार दिया गया है। प्राचीन काल में भी ऐसा कतई नहीं हुआ है। अगर, ऐसा हुआ होता तो भारत सोने की चिड़िया कैसे बनता? हां, भारत के प्राचीन शास्त्रों में यह जरूर कहा गया है कि अर्थ और काम को बेलगाम नहीं छोड़ना चाहिए। अर्थ और काम को मयार्दा में ही रहना चाहिए। धन अर्जित करने पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है परंतु यह धर्म का पालन करते हुए कमाना चाहिए। अर्थात, अर्थ को धर्म के साथ जोड़ दिया गया है। इसी प्रकार काम को भी धर्म के साथ जोड़ा गया है। उपभोग यदि धर्म सम्मत और मर्यादित होगा तो इस धरा का दोहन भी सीमा के अंदर ही रहेगा। अतः कुल मिलाकर अर्थशास्त्र में भी नैतिकता का पालन होना चाहिए। प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं वर्तमान अर्थशास्त्र में यह भी एक बहुत बड़ा अंतर है। आजकल कहा जाता है कि नीति का अर्थशास्त्र से कोई लेना देना नहीं है। जबकि वस्तुतः ऐसी कोई भी अर्थव्यवस्था, अर्थतंत्र और विकास का कोई भी तंत्र जिसमें नैतिकता को स्वीकार न किया जाय वह चल नहीं सकती और वह समाज का भला नहीं कर सकती।

अर्थ को प्रदान किए गए महत्व के चलते ही प्राचीनकाल में भारत में दूध की नदियां बहती थीं, भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, भारत का आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में बोलबाला था। भारत के ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक बहुत सम्पन्न हुआ करते थे। कृषि उत्पादकता की दृष्टि से भी भारत का पूरे विश्व में डंका बजता था तथा खाद्य सामग्री एवं कपड़े आदि उत्पादों का निर्यात भारत से पूरे विश्व को होता था। भारत के नागरिकों में देश प्रेम की भावना कूट कूट कर भरी रहती थी तथा उस खंडकाल में भारत का वैभव काल चल रहा था, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों में नागरिक आपस में भाई चारे के साथ रहते थे एवं आपस में सहयोग करते थे। केवल ह्यमैंह्न ही तरक्की करूं इस प्रकार की भावना का सर्वथा अभाव था एवं ह्यहमह्न सभी मिलकर आगे बढ़ें, इस भावना के साथ ग्रामीण इलाकों में नागरिक प्रसन्नता के साथ अपने अपने कार्य में व्यस्त एवं मस्त रहते थे।

प्राचीन काल में भारत में भव्यता के स्थान पर दिव्यता को अधिक महत्व दिया जाता रहा है। भव्यता का प्रयोग सामान्यतः स्वयं के विकास के लिए किया जाता है। जबकि दिव्यता का उपयोग समाज के विकास में आपकी भूमिका को आंकने के पश्चात किया जाता है। भव्यता दिखावा है, भव्यता प्रदर्शन है, अतः केवल भव्यता के कारण किसी का जीवन ऊंचाईयों को नहीं छू सकता है, इसके लिए दिव्यता होनी चाहिए, अर्थात समाज की भलाई के लिए अधिक से अधिक कार्य करना होता है।

अर्थ को धर्म से जोड़ने के साथ ही, प्रकृति के संरक्षण की बात भी भारतीय पुराणों में मुखर रूप से कही गई है। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार नदियों, पहाड़ों, जंगलों, जीव जंतुओं में भी देवताओं का वास है, ऐसा माना जाता है। इसीलिए यह कहा गया है कि इस पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों का दोहन करें, शोषण नहीं करें। सर जगदीश चंद्र बसु ने एक परीक्षण किया और इस परीक्षण के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पेड़ पौधों में भी वैसी ही संवेदना होती है जैसी मनुष्यों में संवेदना होती है। जिस प्रकार मनुष्य रोता है, हंसता है, प्रसन्न होता है, नाराज होता है, इसी प्रकार की संवेदनाएं पेड़ पौधों में भी पाई जाती हैं। सर जगदीश चंद्र बसु ने वैज्ञानिक तरीके से जब यह सिद्ध किया तो दुनिया में तहलका मच गया। जबकि भारतीय शास्त्रों में तो इन बातों का वर्णन सदियों पूर्व ही मिलता है। जब इन तथ्यों को वैज्ञानिक आधार दिया गया तो अब पूरी दुनिया भारत के इन प्राचीन विचारों पर साथ खड़ी नजर आती है। भारतीय मनीषियों ने इसीलिए यह बार बार कहा है कि पेड़ पौधों की रक्षा करें, इन्हें काटें नहीं। क्योंकि, इससे पर्यावरण की रक्षा तो होती ही है, साथ ही, पेड़, पौधों के रूप में एक प्रकार से किसी प्राणी की हत्या करने से भी बचा जा सकता है।

भारतीय संस्कृति में यह भावना रही है कि व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास हो एवं उसे पूर्ण सुख की प्राप्ति हो। इसलिए, उक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ही देश में सामाजिक एवं आर्थिक रचना होनी चाहिए। प्राचीन भारत में इसी नाते व्यक्ति को मान्यता देने के साथ साथ परिवार को भी मान्यता दी गई है। परिवार को समाज में न्यूनतम इकाई माना गया है। व्यक्तियों से परिवार, परिवारों से समाज, समाज से देश और देशों से विश्व बनता है। अतः कुटुंब को भारतीय समाज में अत्यधिक महत्व दिया गया है।

भारतीय शास्त्रों में कुल मिलाकर यह वर्णन मिलता है कि प्राचीन भारत के लगभग प्रत्येक परिवार में गाय के रूप में पर्याप्त मात्रा में पशुधन उपलब्ध रहता था जिससे प्रत्येक परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत आसानी से हो जाती थी। गाय के गोबर एवं गौमूत्र से देसी खाद का निर्माण किया जाता था जिसे कृषि कार्यों में उपयोग किया जाता था एवं गाय के दूध को घर में उपयोग करने के बाद इससे दही, घी एवं मक्खन आदि पदार्थों का निर्माण कर इसे बाजार में बेच भी दिया जाता था। इसी प्रकार गौमूत्र से कुछ आयुर्वेदिक दवाईयों का निर्माण भी किया जाता था। अतः कुल मिलाकर परिवार एवं समाज में किसी भी प्रकार की गतिविधि सम्पन्न करने के लिए अर्थ की आवश्यकता महसूस होती है।

भारत की पहली लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल

–डॉ सत्यवान सौरभ–

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 12 नवंबर 2024 को अपनी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। पहली उड़ान ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से उड़ाई गई। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट, बेंगलुरु द्वारा अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ विकसित, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल आधुनिक सैन्य शस्त्रागार में एक महत्त्वपूर्ण अतिरिक्त है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल को मोबाइल ग्राउंड-आधारित सिस्टम और फ्रंटलाइन जहाजों दोनों से लॉन्च करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो एक सार्वभौमिक वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल का उपयोग करता है, जो इसके परिचालन लचीलेपन को और बढ़ाता है। इसे मोबाइल ग्राउंड-आधारित सिस्टम और फ्रंटलाइन जहाजों दोनों से लॉन्च करने के लिए डिजाइन किया गया है, एक सार्वभौमिक वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल का उपयोग करके, जो इसके परिचालन लचीलेपन को और बढ़ाता है। यह मिसाइल की बहुमुखी प्रतिभा और सटीकता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न गति और ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए जटिल युद्धाभ्यास करने में भी सक्षम है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल अत्याधुनिक एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से लैस है जो इसके प्रदर्शन और विश्वसनीयता को बढ़ाता है। ये मिसाइलें आमतौर पर सबसोनिक होती हैं और इलाके से सटे उड़ान पथों का अनुसरण कर सकती हैं, जिससे उन्हें पता लगाना और रोकना मुश्किल हो जाता है, इस प्रकार दुश्मन की सुरक्षा में भेदने में रणनीतिक लाभ मिलता है। इसे बेंगलुरु में डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान द्वारा विकसित किया गया है, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के बीच सहयोग का परिणाम है। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने पहले एलआरएलएसीएम को एक मिशन मोड प्रोजेक्ट के रूप में मंजूरी दी थी, जिसे स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) प्रक्रिया के तहत मंजूरी दी गई थी। मिसाइल के सफल परीक्षण को भारत की रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है, विशेष रूप से लंबी दूरी के सटीक हमलों के क्षेत्र में।

भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में आयोजित पहला परीक्षण एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से किया गया और यह एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि थी, क्योंकि मिसाइल ने योजना के अनुसार प्रदर्शन किया और सभी प्राथमिक मिशन लक्ष्यों को पूरा किया। परीक्षण के दौरान, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल पर रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और इसके उड़ान पथ के साथ लगाए गए टेलीमेट्री उपकरण सहित सेंसर की एक सरणी का उपयोग करके बारीकी से निगरानी की गई थी। मिसाइल ने सटीक वेपॉइंट नेविगेशन का प्रदर्शन किया और अलग-अलग ऊंचाइयों और गति पर जटिल युद्धाभ्यास को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइलें आधुनिक सैन्य शस्त्रागार का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो रणनीतिक लक्ष्यों पर स्टैंड-ऑफ दूरी से लंबी दूरी के हमले करने में सक्षम बनाती हैं, जिसका अर्थ है कि मिसाइल को लक्ष्य से बहुत दूर लॉन्च किया जा सकता है, जिससे लॉन्च प्लेटफॉर्म और इसे संचालित करने वाले कर्मियों को नुकसान से सुरक्षित रखा जा सकता है। ये मिसाइलें आमतौर पर सबसोनिक होती हैं और भूभाग से सटे उड़ान पथों का अनुसरण कर सकती हैं, जिससे उनका पता लगाना और अवरोधन करना कठिन हो जाता है, इस प्रकार दुश्मन की सुरक्षा को भेदने में रणनीतिक लाभ मिलता है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल के अन्य उदाहरणों में यूएस टॉमहॉक और रूस की कैलिबर शामिल हैं, दोनों ही सटीक, लंबी दूरी के हमलों में अपने उपयोग के लिए जाने जाते हैं। बेंगलुरु में डीआरडीओ के एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीई) द्वारा विकसित, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल पूरी तरह से स्वदेशी परियोजना है। कुछ सेंसर और एक्सेलेरोमीटर को छोड़कर मिसाइल के सभी घटक स्थानीय रूप से सोर्स किए गए हैं। हैदराबाद में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और बेंगलुरु में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने मिसाइल के एकीकरण और तैनाती में योगदान देते हुए विकास-सह-उत्पादन भागीदारों के रूप में सहयोग किया है। जमीन-आधारित और नौसैनिक तैनाती दोनों के लिए डिजाइन की गई, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल को यूनिवर्सल वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल (यूवीएलएम) का उपयोग करके मोबाइल ग्राउंड प्लेटफॉर्म और जहाजों से लॉन्च किया जा सकता है, यह एक सिस्टम है जिसे ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा पेटेंट किया गया है और यह पहले से ही 30 भारतीय नौसेना के जहाजों पर चालू है। यह मिसाइल एक रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा स्वीकृत मिशन मोड प्रोजेक्ट है जो स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) के तहत है, जो इसके रणनीतिक महत्त्व पर जोर देता है। 1, 000 किलोमीटर से अधिक की योजनाबद्ध सीमा के साथ, यह मिसाइल भारतीय सशस्त्र बलों, विशेष रूप से नौसेना को अपनी समुद्री-स्किमिंग क्षमताओं के साथ महत्त्वपूर्ण ताकत देगी। मिसाइल के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लगभग 20 अतिरिक्त परीक्षण उड़ानों की योजना बनाई गई है, जिसमें स्वदेशी रेडियो-फ्रीक्वेंसी सीकर के माध्यम से टर्मिनल होमिंग भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, डीआरडीओ द्वारा मिसाइल के परीक्षण पूरे होने के बाद, भारतीय नौसेना लगभग 5, 000 करोड़ रुपये की कीमत की लगभग 200 लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का ऑर्डर दे सकती है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा अनुमोदित, एओएन द्वारा स्वीकृत मिशन मोड परियोजना है, जिसके सेवा में प्रवेश के लिए एक निर्धारित समय-सीमा है।

प्रदूषण: जहां चाह वहाँ राह!

–रजनीश कपूर–

हम और आप जब भी कोई वाहन खरीदते हैं तो हम उस वाहन की कीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं। इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम क्या वास्तव में जनता पर खर्च होती है?

बीते कुछ सप्ताह से दिल्ली एनसीआर और उत्तर भारत को प्रदूषण के बादलों ने घेर रखा है। इससे आम जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर सरकार ने कई तरह की पाबंदियाँ लगा दी हैं। इसके चलते असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इन पाबंदियों के चलते कई रोजगारों पर भी असर पड़ने लगा है। निर्माण कार्य में लगे दिहाड़ी मजदूर वर्ग इन पाबंदियों के चलते सबसे अधिक परेशान है।

तमाम टीवी चैनलों पर प्रदूषण के बिगड़ते स्तर पर काफी बहस हो रही है। परंतु क्या किसी ने हमारे देश में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सही व ठोस कदम उठाने की बात की है? क्या केवल निर्माण कार्यों और वाहनों पर प्रतिबंध से प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी? ऐसे अनेकों कारण हैं जिन पर अगर सरकार ध्यान दे तो प्रदूषण में नियंत्रण पाया जा सकता है।

सबसे पहले बात करें वाहन प्रदूषण की। इस बात पर इसी कॉलम में कई बार लिखा जा चुका है कि एक विशेष आयु या श्रेणी के वाहन को प्रतिबंध करने से क्या प्रदूषण में कमी आएगी? इसका उत्तर हाँ और नहीं दोनों ही है। यदि कोई वाहन, जो कि पुराने माणकों पर चल रहा है और उसके पास वैध पीयूसी प्रमाण पत्र नहीं है तो निश्चित रूप से ऐसे वाहन को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। परंतु यदि वही वाहन प्रदूषण के तय माणकों की सीमा में पाया जाता है तो उसे प्रतिबंधित करने का क्या औचित्य है? हम और आप जब भी कोई वाहन खरीदते हैं तो हम उस वाहन की कीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं। इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम क्या वास्तव में जनता पर खर्च होती है? क्या हमें अपनी महँगी गाड़ियों को चलाने के लिए साफ सुथरी और बेहतरीन सड़कें

मिलती हैं? क्या टूटी-फूटी सड़कों की समय-समय पर मरम्मत होती है? क्या देश भर में सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियाँ अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं? इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको नहीं में ही मिलेंगे। टूटी-फूटी सड़कों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं, नतीजा जगह-जगह ट्रैफिक जाम हो जाता है। ऐसे जाम में खड़े रहकर आप न सिर्फ.अपना समय जाया करते हैं बल्कि महँगा ईंधन भी जाया करते हैं। जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, आपका वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज्यादा मात्रा में नये वाहनों द्वारा प्रदूषण होता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की यह ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि वह सड़कों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा न मिले। इसके साथ ही ट्रैफिक नियंत्रण की समस्या भी एस समस्या है जिससे प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है। मिसाल के तौर पर आपको आपके शहर में ऐसे कई चौराहे मिल जाएँगे जहां लाल-बत्ती की अवधि जरूरत और ट्रैफिक के प्रवाह के अनुसार मेल नहीं खाती। नतीजा, ऐसे चौराहों पर ट्रैफिक की लंबी कतारें। ऐसा नहीं है कि पूरा दिन ही ऐसे चौराहों पर लंबी कतारें लगती हैं। ज्यादातर कतारें ट्रैफिक के पीक घंटों में लगती हैं। यदि उस समय ट्रैफिक पुलिस द्वारा चुनिंदा चौराहों को नियंत्रित किया जाए तो जाम की समस्या पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। इसके लिए कुछ मामूली से ही परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। आज गूगल मैप पर आप घर बैठे ही हर गली नुक्कड़ का ट्रैफिक देख सकते हैं। यदि ्लान कर सकते हैं तो ट्रैफिक कंट्रोल रूम के अधिकारी, संबंधित इलाके के ट्रैफिक अधिकारी को इस समस्या के प्रति झकझोर क्यों नहीं सकते? ट्रैफिक को नियंत्रित करने के जैसे, ही प्रदूषण के अन्य कारकों पर भी लगाम कसी जा सकती है। जरूरत है तो इच्छा शक्ति की। यहाँ आपको याद दिलाना चाहूँगा कि 2010 में जब हमारे देश में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था तो दिल्ली में एक ऐसी व्यवस्था बनाई गई थी कि ट्रैफिक जाम नहीं होते थे। जगह-जगह पर ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ट्रैफिक पर पैनी नजर बनाए हुए थे। यानी डंडे के जोर पर व्यवस्था को नियंत्रित किया जा रहा था। यदि एक ट्रैफिक की समस्या को डंडे के जोर पर, किसी विशेष इंतजाम के लिए नियंत्रित जा सकता है तो आम दिनों में क्यों नहीं? अब बात करें दीपावली के बाद हर वर्ष होने वाली पराली जलाए जाने की। यह बात जाग-जाहिर है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान हर वर्ष इन्हीं दिनों पराली जलाते हैं। यह समस्या हर वर्ष प्रदूषण का कारण बनती है। हर वर्ष बड़ी-बड़ी बातें और घोषणाएँ की जाती हैं लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। यदि कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हो या कोविड के दौरान लॉकडाउन लागू करना हो, जब इन्हें सख़्ती से लागू किया जा सकता है तो पराली को जलाने से क्यों नहीं रोका जा सकता? ठीक उसी तरह कारखानों से निकलने वाले धुएँ को भी नियंत्रित करना असंभव नहीं है। सरकार चाहे तो इस राह में ठोस कदम उठा कर प्रदूषण को नियंत्रण में ला सकती है। केवल नारों, घोषणाओं और प्रतिबंधों से नहीं इच्छा शक्ति से ही नियंत्रित हो सकेगा प्रदूषण। जहां चाह वहाँ राह!

एसएसपी का कड़क नेतृत्व नशा तस्करों पर पड़ा रहा भारी

नशे के सौदागरों पर हरिद्वार पुलिस का कड़ा प्रहार

सिटी पुलिस व अठळऋकी संयुक्त कार्यवाही, नशा तस्कर को भेजा जेल

52.08 ग्राम स्मैक व डिजिटल तराजू बरामद, तस्करी में प्रयुक्त बाइक जब्त

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार , माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन को सफल बनाने हेतु एसएसपी हरिद्वार के कड़क नेतृत्व में काम कर रही हरिद्वार पुलिस नशा तस्करों को दबोचने में लगातार सफलता हासिल कर रही है। इसी क्रम में कोतवाली नगर पुलिस व अठळऋकी संयुक्त टीम द्वारा बाइक से स्मैक की तस्करी करते हुए नशा तस्कर शहजाद को 52.08 ग्राम स्मैक व डिजिटल तराजू के साथ तुलसी चौक के पास बने पार्क के पास से दबोचा गया।

शादी समारोह के दौरान लड़ झगड़ कर कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले 03 अभियुक्त दबोचे

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार ,शादी समारोह के दौरान गांव ताशीपुर में लड़ाई झगडे की सूचना पर मौके पर गई पुलिस टीम द्वारा दोनो पक्षों को समझाने का प्रयास किया गया परंतु जो आमदा फसाद कर लड़ाई झगडे पर उतारू हो रहे थे मौके पर शान्ति भंग होने के अंदेशे से 03 अभि0गण को अन्तर्गत धारा 170 बीएनएसएस के जुर्म से अवगत कराते हुए गिरफ्तार किया गया।

नाम पता अभियुक्त सम्बन्धित धारा 170 BNSs -

1- शशिकांत पुत्र बलजीत निवासी ग्राम ताशीपुर मंगलौर हरिद्वार

2- संदीप पुत्र बलजीत निवासी ताशीपुर उपरोक्त

3- अमित कुमार पुत्र राजपाल सिंह निवासी उपरोक्त

पुलिस टीम

1-अ0 उप निरीक्षक हरिमोहन

2- कानि0 10 20 विक्रांत

3- कानि0 अंकित

4- होमगार्ड रमेश

वन विभाग की टीम ने अजगर को पकड़ा

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर, उत्तराखंड, लक्सर के अकबरपुर ऊद गांव स्थित श्री सीमेंट फैक्ट्री के निकट शुक्रवार को एक विशालकाय अजगर निकल आया। जिसे देखकर खेत पर काम कर रहे किसान घबरा गए। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने अजगर को पकड़ लिया, और ले जाकर जंगल में छोड़ दिया है। शुक्रवार को अकबरपुर ऊद गांव स्थित श्री सीमेंट फैक्ट्री के निकट कुछ किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे। इस दौरान एक किसान की नजर विशालकाय अजगर पर पड़ी। अजगर को देखकर किसान के होश उड़ गए। किसान ने खेत से बाहर निकालकर मामले की सूचना अन्य ग्रामीणों को दी। खेत में विशालकाय अजगर होने की जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास काम करने वाले ग्रामीण इकट्ठा हो गए। किसी ग्रामीण ने मामले की सूचना वन अधिकारी को दी। मामले की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और विशालकाय अजगर को पकड़ लिया। वन क्षेत्राधिकारी यशपाल सिंह राठौड़ का कहना है कि ग्रामीणों की सूचना पर शुक्रवार दोपहर बाद वन विभाग की टीम अकबरपुर ऊद गांव स्थित श्री सीमेंट फैक्ट्री के निकट पहुंची। वहां पर खेत में निकले एक विशालकाय अजगर का रेस्क्यू किया गया। जिसे ले जाकर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया है।

खेल हमें टीम भावना के साथ काम

खेल हमें टीम भावना के साथ काम

(बीएचईएल में अन्तर इकाई क्रिकेट टूनार्मेन्ट का शुभारम्भ)

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार , बीएचईएल स्पोर्ट्स क्लब, हरिद्वार के तत्वावधान में चार दिवसीय, बीएचईएल अन्तर इकाई क्रिकेट टूनार्मेंट का आज शुभारम्भ हुआ । स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित इस टूनार्मेंट के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि, बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक श्री टी. एस. मुरली थे । खिलाड़ियों तथा निर्णायकों से परिचय प्राप्त करने के पश्चात, सभी को अपनी शुभकामनाएं देते हुए श्री मुरली ने कहा कि खेल में हार या जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण है, खेल की गौरवशाली भावना को बनाए रखना । उन्होंने कहा कि खेल या जीवन के किसी भी कार्य क्षेत्र में सफलता तभी प्राप्त की जा सकती है, जब एक संगठित टीम के रूप में कार्य किया जाए । श्री मुरली ने सभी टीमों को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए । कार्यक्रम के दौरान हरिद्वार टीम

के कप्तान श्री संदीप कुमार ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ भी दिलायी । उल्लेखनीय है कि इस अन्तर इकाई क्रिकेट टूनार्मेंट में बीएचईएल के इतिहास में अब तक की सर्वाधिक, 15 इकाइयों की टीमें भाग ले रही हैं । प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच बीएचईएल झांसी व बीएचईएल हरिद्वार के बीच खेला गया, जिसमें मेजबान हरिद्वार ने झांसी को पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की । कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्पोर्ट्स क्लब के संरक्षक श्री अगस्टिन खाखा, महासचिव श्री अभिनव आशीष तथा स्पोर्ट्स क्लब कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया । इस अवसर पर महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी, दिल्ली पब्लिक स्कूल के उप प्रधानाचार्य श्री परविंदर सिंह, बीएचईएल कर्मचारी तथा यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधि सहित खेल प्रेमी उपस्थित थे ।

समय व बाजार की मांग के अनुसार बदलाव आवश्यक हैं- टी. एस. मुरली

(बीएचईएल में गुणता माह समापन समारोह आयोजित)

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार , बीएचईएल हरिद्वार में गुणता माह का समापन, आज एक भव्य समारोह के साथ हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक श्री टी. एस. मुरली थे । इस वर्ष के गुणता माह की विषयवस्तु थी ह्लगुणवत्ता का मूल आधार झ जिम्मेदारी से किया गया हर कार्यह्व ।

समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री टी. एस. मुरली ने सभी को, सीआईआई-एग्जिम बैंक अवार्ड प्राप्त करने तथा गुणता माह के सफल आयोजन हेतु बधाई दी । उन्होंने कहा कि हमें न केवल अपनी निर्माण प्रक्रिया बल्कि सभी क्रियाकलापों में, समय व बाजार की मांग के अनुसार आवश्यक बदलाव करते रहना चाहिये । डिलीवरी पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि समय से उत्पादों की आपूर्ति न होने से, हमारी उत्पादन लागत पर विपरीत प्रभाव पड़ता है । महाप्रबंधक (गुणता एवं व्यापारिक उत्कृष्टता) श्री प्रशांतो माजी ने कहा कि हमें हर हाल में, अपने उत्पादों की गुणवत्ता को बरकरार रखना है । इससे पहले अपर महाप्रबंधक (गुणता आश्वासन) श्री प्रदीप कुमार बंसल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए, गुणता

माह के दौरान आयोजित किए गए कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला । उल्लेखनीय है कि गुणता माह के दौरान प्रभाग में गुणता से सम्बन्धित, 30 से ज्यादा कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं आदि आयोजित की गई, जिनमें अनेक कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने भाग लिया । समारोह में सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा सीआईआई-एग्जिम बैंक अवार्ड की प्राप्ति में, अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले बीएचईएल कर्मियों को, मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित भी किया गया । अंत में अपर महाप्रबंधक (गुणता एवं व्यापारिक उत्कृष्टता) श्रीमती पूनम सिंह ने, कार्यक्रम में भाग लेने के लिये सभी को धन्यवाद दिया । इस अवसर पर बीएचईएल लेडीज क्लब की संरक्षिका श्रीमती टी. सौम्या, महाप्रबन्धकगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी व उनके परिजन तथा यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे ।

यातायात जागरुकता अभियान

डीएम कर्मेन्द्र सिंह व एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा वाहन चालकों को वितरित किए गए हेलमेट

आमजन को जागरुक करने सड़क पर उतरी पुलिस व प्रशासन की टीमें

कार्यक्रम आयोजित कर वाहन चालकों को यातायात नियमों की दी गई जानकारी

हेलमेट न पहने होने के कारण वाहन दुर्घटना में प्रतिवर्ष होती हैं हजारों मौतें

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार , दोपहिया वाहन चालकों के हेलमेट ने पहनने के कारण प्रतिवर्ष होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में लोग अपनी जान गंवाते हैं। इन दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को भी गंभीर चोटों का सामना करना पड़ता है।

यातायात नियमों की अनदेखी के चलते होने वाली इन सड़क दुर्घटनाओं के प्रति गंभीर रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह व एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के नेतृत्व में आज दिनांक 30.11.2024 को राजा बिस्कुट चौक पर पुलिस एवं प्रशासन की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान राहगीरों एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए उनका पालन करने के लाभ बताते हुए नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया व डीएम व एसएसपी हरिद्वार द्वारा इस दौरान वाहन चालकों को

हेलमेट-वितरित किए गए।

एसपी सिटी पंकज गैरोला, एएसपी सदर जितेन्द्र मेहरा, अ.फळ.ड. प्रशासन पंकज श्रीवास्तव, अ.फळ.ड. रश्मि पंत, ळ.ळ.ड. वरुणा सैनी, टीआई हरिद्वार सुशील कुमार सहित विभिन्न पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।

संयुक्त निदेशक ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

मिशन नेशनल न्यूज / नौशाद अली

धनौरी। उच्च शिक्षा निदेशालय के संयुक्त निदेशक डॉ ए एस उनियाल ने शनिवार को हरिओम सरस्वती पीजी कॉलेज धनौरी में बनाए गए परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र पर प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाओं के रखरखाव पर परीक्षा समिति की प्रशंसा की।

श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध महा-विद्यालयो में 29 नवंबर से स्नातक और स्नातकोत्तर की पर-ीक्षाएं चल रही हैं। शनिवार को संयुक्त निदेशक डॉक्टर ए एस उनियाल आकस्मिक निरीक्षण के लिए हरिओम सरस्वती पीजी कॉलेज धनौरी पहुंचे। उन्होंने प्राचार्य डॉ आदित्य गौतम और उप प्राचार्य डॉ योगेश कुमार के साथ परीक्षा कक्षों का निरीक्षण किया। परीक्षा दे रहे छात्रों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा की नकलविहीन परीक्षा के लिए सभी प्रबंध पूरे किए जाने चाहिए। उन्होंने परीक्षा समिति के प्रभारी डॉप्रदीप कुमार से उत्तर पुस्तिकाओं और प्रश्न पत्रों के रखरखाव के बारे में जानकारी ली। प्रश्न पत्रों का रखरखाव सही पाए जाने पर परीक्षा समिति को शाबाशी दी।

राज्यपाल ने क्वॉन्टम विश्वविद्यालय, रुड़की, हरिद्वार के चौथे दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग किया, छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, ऑल राउंड परफॉर्मेंस के लिए प्रेसीडेंसी मेडल एवं डिग्रियां प्रदान कीं

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

भगवानपुर । कुलाधिपति/राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शनिवार को क्वॉन्टम विश्वविद्यालय, रुड़की, हरिद्वार के चौथे दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग किया। दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, ऑल राउंड परफॉर्मेंस के लिए प्रेसीडेंसी मेडल एवं डिग्रियां प्रदान कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने कहा कि आज का युवा अत्यधिक ऊजार्वान है। उन्होंने इस ऊर्जा के साथ अपने और अपने राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया, और कहा कि इस पीढ़ी को राष्ट्र, समाज और परिवार के सपनों को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि आज का समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स का है, इसके साथ ही, हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ ही आधुनिक तकनीक को साथ लेकर चलना है। राज्यपाल ने मेडल पाने वाले में छात्राओं की अधिक संख्या को देखते हुए इसे महिला सशक्तीकरण का अच्छा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि महिलाएं लगातार आगे बढ़ते हुए राष्ट्र के विकास में अपना पूर्ण योगदान दे रही हैं।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दिशा में कार्य करने के लिए अपने परिसर में विशेष व्यवस्था की है, यह छात्र-छात्राओं के लिए एआई की दिशा में अच्छा कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों को जॉब क्रिएटर बनने की बात कही, और कहा कि किताबों से परे वास्तविक जीवन में भी अपनी पहचान बनानी पड़ेगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अनगिनत और असीमित सपने देखने की बात भी कही, और कहा कि सपने देखो और उन्हें पूरा करने में जुट जाओ। राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों से जोश के साथ विशेषज्ञता पर फोकस करने को कहा। इसके साथ ही नशे और ड्रग्स से दूरी बनाए रखने की बात कहा राज्यपाल ने कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है, हमें जीवनभर सीखना है। हमें अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते अपने गुरुजनों एवं माता-पिता के सपनों एवं आशाओं पर खरा उतरने की बात कही।

इस अवसर पर विधायक प्रदीप बत्रा, ममता राकेश, जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल, क्वॉन्टम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विवेक कुमार, विश्वविद्यालय के संस्थापक श्री श्याम सुंदर गोयल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सीसीएल प्रयासों की प्रगति की समीक्षा के क्रम में सहायक परियोजना निदेशक/जिला मिशन प्रबंधक, एनआरएलएम, हरिद्वार, नलिनीत घिल्डियाल द्वारा देर सायं इंडियन ओवरसीज बैंक, सुभाष गढ़ और ऐथल से संपर्क किया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, विभिन्न बैंकों ने स्वयं सहायता समूहों के सीसीएल प्रयासों की प्रगति की समीक्षा के क्रम में सहायक परियोजना निदेशक/जिला मिशन प्रबंधक, एनआरएलएम, हरिद्वार, नलिनीत घिल्डियाल द्वारा देर सायं इंडियन ओवरसीज बैंक, सुभाष गढ़ और ऐथल से संपर्क किया। आईओबी सुभाष गढ़ में बहादराबाद विकास खंड के 30 एसएचजी के खाते हैं। डीएमएमयू से शीघ्र वितरण के अनुसर बैंक में एसएचजी के सीसीएल प्राकरण काफी लंबे समय से चल रहे हैं, बैंक शाखा प्रबंधक द्वारे 7 एसएचजी की सीसीएल कर दी गई है। इनमाई 6 एसएचजी की पहली खुराक और 1 एसएचजी का नवीनीकरण किया गया है।

जिन एसएचजी की सीसीएल हुई है उनमें सहयोग एसएचजी, मोहम्मदपुर उर्फ झींवरहेड़ी, अनमोल एसएचजी, पीतपुर, जय माता दी एसएचजी, पीतपुर, लक्ष्मी एसएचजी, मोहम्मदपुर उर्फ झींवरहेड़ी, बाबा साहेब एसएचजी, पीतपुर, विकास एसएचजी, पीतपुर, सभी की पहली खुराक हुई है जबकी मां शेर-ावाली एसएचजी, आदर्श टिहरी नगर की तीसरी खुराक कर दी गई है। उन्हें द्वारा अवगत कराया गया कि पोर्टल पर 13 एसएचजी की शिकायतें अभी लंबित हैं जिनमें से जय दुर्गा मां, पूजा गुरु कृपा, वंश एसएचजी, सहदेवपुर, अम्बेडकर, आकाश, भीमबाई, एकता, अम्बेडकर -2, एकता,2, ललतेश एसएचजी, अलावलपुर, और माता वैष्णो एसएचजी, आदर्श टिहरी नगर है, बैंक में सीसीएल का काम देख रहे फील्ड ऑफिसर ने बताया कि 13 एसएचजी में से किसी की भी फाइल बैंक में जमा नहीं है।जिन समुहों के दस्तावेज सही पाए जाते हैं, उनकी सीसीएल कर देते हैं अभी 13 समुहों को भी विजिट किया जाना है। एनआरएलएम की तरफ से अधिकांश बैंकों में एक समर्पित कैडर, बैंक सखी को तैनात किया गया है। समुहों की सीसीएल समय से हो इसको सुनिश्चित करने के लिए सभी बैंक सखी को चेक लिस्ट दी गई है। सीसीएल फाइल तैयार

करके एसएचजी की अनुसर एसएचजी की सूची जांचें, बहादराबाद ब्लॉक से आईओबी सुभाष गढ़ में बैंक सखी तैनात है लेकिन उनके द्वारा बैंक में सीसीएल फाइलों को, चेक लिस्ट के अनुसार तैयार करके जमा नहीं किया गया है। उन्होंने शाखा प्रबंधक से अनुरोध किया गया कि 13 समुहों की फाइलों को तैयार करके बैंक सखी बैंक में जमा करेंगी, बैंक उन सभी को समयबद्ध रूप से निस्तारित कर दें और बताया गया कि पैन कार्ड की अनिवार्यता केवल पदाधिकारियो के लिए हो सभी सदस्यों के लिए नहीं, उनको ये भी बता दिया गया है कि पैन कार्ड की जगह फॉर्म- 60 भरने के विकल्प अपनाएं। आईओबी सुभाष गढ़ से एपीडी आ-ईओबी ऐथल गई। यहां बहादराबाद और लक्सर दो ब्लॉकों के एसएचजी खाते हैं। बहादराबाद के 2 एसएचजी की सीसीएल- 03 किस्त होनी है। जिनमें महिला और एसएचजी, आदर्श टिहरी नगर, इन दोनो समुहों ने सीसीएल की द्वितीय किस्त की पूरी वापसी बैंक को कर दी है और नियमानुसार अब इनको तीसरी किस्त, (6.0 लाख) दी जानी है। इसके लिए एसएचजी को अपनी सूक्ष्म परिवार योजना (माइक्रो क्रेडिट प्लान-एमसीपी) की प्रतिलिपि अनिवार्य रूप से बैंक में देनी होगी। इसके विषय में शाखा प्रबंधक को बताया गया कि वह एसएचजी के एमसीपी को देखकर और एसएचजी से उसकी आजीविका गतिविधि के बारे में जानकरी लेकर ये संतुष्ट हो जाएं कि सीसीएल की तीसरी किस्त का उपाय एसएचजी द्वारा किस प्रकार किया जाएगा।

देवभूमि एसएचजी, आदर्श टिहरी नगर एसएचजी, की सीसीएल-आई किस्त 1.50 लाख होनी है। बैंक सखी ने बताया कि गांव की सकरिया महिला ने समूह की महिलाओं को सीसीएल लेने के लिए अभी ये कहकर मना कर दिया है कि जब तक बैंक से प्रोसेसिंग फीस लेने की बात क्लियर नहीं हो जाती तब तक समूह की सीसीएल नहीं कराएंगे।

शाखा प्रबंधक ने बताया कि सिबिल चेक करने का शुल्क सभी से लिया जाता है। बैंक सखी को इस बात की जानकारी है कि महिला और समूह सदस्यों को देने के लिए कहा गया ताकि किसी को कोई आशा न रहे और नियमानुसार समूहों को सीसीएल का लाभ मिल सके।

समीक्षा में यह भी कहा गया है कि आदर्श टिहरी नगर से जमुना एसएचजी और प्रगति एसएचजी ने सीसीएल की द्वितीय खुराक में 3.0 लाख की सीमा बनवायी, जबकि 1.50 लाख की अधिकतम सीमा बनाई। इस प्रकार शिव शक्ति एसएचजी ने भी 03 खुराक 6.0 लाख नहीं कराई बल्कि सीसी लिमिट 3.0 लाख ही कराई। आईओबी ऐथल में आदर्श टिहरी नगर की मां गंगा एसएचजी की सीसीएल - 02 किस्त भी देय होने वाली है बैंक सखी को निर्देश दिया गया है कि समूह को सीसीएल का पूरा लाभ लेने के लिए जागरूक करें।

लक्सर से यहां 20 एसएचजी की सीसीएल के लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया है। इनमाई से 11 एसएचजी की सीसीएल हो गई है। शगुन एसएचजी, सीधड्डू, जय भीम एसएचजी, बुक्कनपुर की सिबिल बैंक द्वारा चेक कर ली गई है और वो ठीक हो गई है। बीएमएम, लक्सर के अनुसर इन डोनो समुहों की फाइल बैंक में है। समुह की महिलाओं को पूरी जानकारी के लिए बैंक जाना है। किसी ना किसी कारणवश सभी महिलाएं एक साथ बैंक नहीं जा पा रही हैं। इनसे बात करके बैंक में भेजने के लिए निर्देश दिए गए हैं। शिव एसएचजी, आदि एसएचजी, अकबरपुर उड, और उज्जवल एसएचजी, ऐथल बुजुर्ग की फाइलें बैंक में जमा हैं लेकिन अभी तक इनकी सिबिल जांच नहीं हुई है। शाखा प्रबंधक से सभी एसएचजी की सिबिल चेक कराके आगे, पोर्टल पर सही भुगतान पाने के लिए समुहों की सीसीएल स्वीकृति करने हेतु विरोध किया गया ताकि सीसीएल वितरण हेतु पूरी पत्रावली तैयार करके बैंक सखी उन्हें प्रस्तुत कर सके। गुरु नानक एसएचजी, बुक्कनपुर की पत्रावली भी सकरिया महिला द्वार अभी तक बैंक में नहीं दी गई है, और वाहे गुरु एसएचजी, ऐथल बुजुर्ग की पत्रावली तैयार भी नहीं हो पाई है। शाखा प्रबंधक, आईओबी ऐथल को सभी एसएचजी जिनकी सीसीएल की स्थापना होनी है, दिसंबर के पहले सप्ताह तक परिवर्तन दिया गया और उनसे विरोध किया गया इस क्षेत्र में माई तैनात लक्सर की आईपीआरपी द्वार सीसीएल पत्रवालियां स्क्रीय महिलाओं के माध्यम से तैयार कर बैंक में जमा कराते हुए सभी सीसीएल करायेगी।

साइबर ठग ने क्रेडिट कार्ड से उड़ाए दो लाख से अधिक रुपये, पीड़ित ने पुलिस से की शिकायत

मिशन नेशनल न्यूज / नौशाद अली

धनौरी,धनौरी निवासी एक व्यक्ति साइबर ठगी का उस वक्त शिकार हो गया जब उसके क्रेडिट कार्ड से साइबर ठग ने दो लाख इक्कीस हजार रुपए उड़ा दिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम हेल्प नंबर और कलियर थाना पुलिस से की है । धनौरा निवासी योगेश ने कलियर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह एक बैंक का क्रे-डिट कार्ड उपयोग करता है 27 नवंबर को उसे एक अंजान नंबर से कॉल आया, कॉल करने वाले व्यक्ति ने पीड़ित की पर्सनल जानकारी स्वयं देते हुए बताया कि आपके लिए आरएलबी बैंक से क्रेडिट कार्ड का ऑफर है जिसे पीड़ित ने लेने से उसी समय मना कर दिया। उसके बाद उसी दिन देर शाम पीड़ित को चार ट्रांजैक्शन में दो लाख इक्कीस हजार रुपए क्रेडिट कार्ड से डेबिट होने का मैसेज आया। मैसेज देख पीड़ित के होश उड़ गए क्योंकि क्रेडिट कार्ड पीड़ित के पास था और नहीं पीड़ित द्वारा कोई ओटीपी किसी को बताया गया। जिसके बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम हेल्प नंबर 1930 पर की है। इसके अलावा पीड़ित ने कलियर थाने में भी तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। वही पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई व हिंदु समुदाय के उत्पीड़न के विरोध में विहिप ने किया प्रदर्शन

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचारों के विरोध में आगे आए विश्व समुदाय-बलराम कपूर

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की अविलंब रिहाई और वहां हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार व उत्पीड़न पर रोक लगाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष बलराम कपूर के नेतृत्व में चंद्राचार्च चौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान विहिप जिला अध्यक्ष बलराम कपूर ने बांग्लादेश में हिंदु समुदाय पर अत्याचारों के विरोध में विश्व समुदाय से आगे आने की अपील करते हुए कहा कि इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी की गिरफ्तारी बांग्लादेश सरकार और वहां के प्रशासन की अलोकतांत्रिक और कायरतापूर्ण कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद इस कार्रवाई का पुरजोर विरोध करती है। बांग्लादेश के हिंदु समुदाय और इस्कॉन अपने उत्पीड़न के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। किसी भी प्रकार की हिंसा का उन्होंने प्रतिहिंसा के रूप में अभी तक कोई उत्तर नहीं दिया है। शांतिप्रिय और लोकतांत्रिक रूप से अपनी बात रखने वाले समुदाय और संगठन का नेतृत्व कर रहे लोगों को अलोकतांत्रिक तरीके से गिरफ्तार उनकी आवाज का दबाने का प्रयास किया जा रहा है। बांग्लादेश के हिंदु

समुदाय के साथ हो रहे अमानवीय अत्याचारों और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन के विरोध में विश्व समुदाय को आगे आना चाहिए।

स्वामी सोमनाथ दास महाराज ने कहा कि बांग्लादेश में वामपंथी इस्लामिक तत्वों के साथ मिलकर वहां के हिंदू समाज का दमन कर रहे हैं। विश्व समुदाय और तमाम वैश्विक संगठनों को आगे आकर इस पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से अब तक ऐसा नहीं हुआ है। विश्व हिंदू परिषद पूरे विश्व समुदाय से यह अपेक्षा करती है कि बांग्लादेश के घटनाक्रम को गंभीरता लेते हुए बांग्लादेश सरकार और वहां के प्रशासन पर हिंदुओं के मानवाधिकारों की रक्षा उनकी सुरक्षा के लिए दबाव बनाए।

जिला मंत्री जीवेंद्र तोमर ने कहा कि भारत सरकार का प्रति-उत्तर इस विषय में बहुत ही सावधानी पूर्वक और न्यूनतम रहा है। यह सही है कि एक संप्रभु देश की स्वायत्तता को किसी भी प्रकार से चुनौती देना दूसरे देश की सरकार के लिए ठीक नहीं है। परंतु, एक बड़े हिंदू समुदाय का इस प्रकार का उत्पीड़न पूरा विश्व, सारे पड़ोसी देश, भारत सरकार सिर्फ देखते रहे और कुछ भी कार्यवाही नहीं करें। यह भी एक सीमा तक तो स्वीकार्य है लेकिन लंबे समय तक यह भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। विश्व हिंदू परिषद का मानना है कि बांग्लादेश में हिंदुओं के मानवाधिकारों के हनन और अत्याचारों के विरोध में पूरे विश्व समुदाय को आगे आकर आवाज उठानी चाि-हए। जीवेंद्र तोमर ने कहा कि इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को तुरंत रिहा किया जाए और बांग्लादेश के हिंदू नेताओं, पुजारिओं, धार्मिक गुरुओं को बिना किसी कारण गिरफ्तार ना किया जाए।

धरना प्रदर्शन करने वालों में में स्वामी सोमनाथ दास महाराज, जिला मंत्री जीवेंद्र तोमर, जिला सहमंत्री विश्व हिन्दू परिषद दीपक तालियान, जिला संयोजक बजरंग दल हरिद्वार अमित मुल्तानिया, जिला सह संयोजक हिमांशु सैनी, जयकरण उपाध्याय, कमल उलियान, गगन उपाध्याय, अरुण कुमार, हर्षित शर्मा, अरविंद कटारिया, बादल चौधरी, साजन वाल्मीकि, ऋतिक मित्तल, रविभूषण जोशी, सचिन चौधरी सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

सीएम की दो टूक गड्ढामुक्त हों सड़कें

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून हल्द्वानी स्थित एफटीआई सभागार में लोक निर्माण विभाग, ऊर्जा और पेयजल विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के कार्यों के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत में तेजी लाई जाए और गड्ढों को शीघ्र भरा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जनहित से जुड़ी योजनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जिनके शत प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को धरातल पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करने और मानकों के अनुरूप योजनाओं को तय समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण सुनिश्चित करें कि शासन स्तर पर जिन योजनाओं को स्वीकृति मिल चुकी है, उन पर तेजी से कार्य किए जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को सड़कों पर वाहनों और आमजन की सुविधा के लिए प्रकाश की समुचित व्यवस्था करने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पैराफिट और क्रैश बैरियर निर्माण में तेजी लाने हेतु भी निर्देशित किया। इस अवसर पर विभागों के अधिकारी समीक्षा बैठक में उपस्थित रहे।

एसएसपी देहरादून की सख्ती शराबियों पर पड़ रही भारी, हवालात में उतर रही शराबियों की खुमारी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून। विगत 02 माह के दौरान ड्रंक एण्ड ड्राइव में 500 से अधिक लोगो को पुलिस ने कराई हवालात की सैर। ड्रंक एंड ड्राइव में 508 वाहन किये सीजसार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 2265 लोगो को थाने लाकर पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही पुलिस एक्ट में चालान कर वसूला 8,20,500/- रू0 का जुमार्ना, दी सख्त हिदायत कार्यवाही में थाना रायपुर रहा अव्वल, खुले में शराब पीने वाले 1345 व्यक्तियों का चालान कर वसूला 4,87,250 रू0 का जुमार्ना। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 145 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सभी वाहनो को किया सीज*

अभियान जारी सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के संबंध में एसएसपी देहरादून द्वारा दिये गए निदेर्शों के क्रम में अलग अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा लगातार चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान विगत 02 माह में दून पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों (जंगल में, सड़क किनारे, गाड़ियों में बैठकर) में शराब पीने वालों तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की गयी। इस दौरान *खुले में शराब पीने वाले 2265 लोगों का 81 पुलिस अधिनियम मे चालान कर 8,20,500/- रू0 का संयोजन शुल्क वसूला गया।

AISNA प्रतिमंडल ने विज्ञापन सूचीबद्धता एवं समाचार पत्रों के भुगतान को लेकर उठाई आवाज !

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

शनिवार को देहरादून स्थित रिंग रोड लाडपुर स्थित सूचना महानिदेशालय (सूचना भवन) उत्तराखण्डः में आज ऑल इंडिया स्मॉल न्यूजपेपर्स एसोसिएशन (अकरठअ) उत्तराखंड इकाई की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल ने सूचना विभाग के अपर निदेशक से पत्रकारों की समस्याओं को लेकर मुलाकात की।साथ ही समाचार पत्रों से संबंधित विभिन्न समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन भी दिया गया।

वही जिसमें सूचना एवं लोक संपर्क विभाग उत्तराखंड के द्वारा पिछले 1 साल से अधिक लंबित पड़े विभिन्न समाचार पत्रों के विज्ञापनों का बिलों का भुगतान एवं समाचार पत्रों की सूचीबद्ध अब तक न होने पर ऑल इंडिया स्मॉल न्यूजपेपर्स एसोसिएशन की इकाई उत्तराखंड (आइसना) प्रतिनिधियों ने सूचना विभाग के अपर निदेशक डॉ. आशीष कुमार त्रिपाठी से प्रदेश के विभिन्न समाचार पत्रों के हितों के संबंध में महत्वपूर्ण विषयों पर वार्ता की।

इस दौरान (आइसना) प्रदेश महासचिव उत्तराखंड सोमपाल सिंह एवं अन्य पदाधिकारी प्रतिनिधियों ने कहा कि लंबित पड़े विभिन्न समाचार पत्रों के विज्ञापनों के बिलों का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए एवं विज्ञापन सूचीबद्धता का भी निर्णय जल्दी किया जाए । और सूचना विभाग द्वारा जनवरी माह 2025 में जारी विज्ञापन भी जल्द से जल्द सूचीबद्धता होने पर समाचार पत्रों को मिलना चाहिए ' वही इस दौरान सूचना अपर निदेशक त्रिपाठी ने आश्वासन देते हुए कहा कि लंबित पड़े विभिन्न समाचार पत्रो के विज्ञापनों के बिलो का भुगतान जल्द करने का प्रयास किया जा रहा है।

साथ ही विभिन्न समाचार पत्रों के सूचीबद्धता का भी निर्णय जल्द दिसंबर माह के पूरा हो जाएगा। बता दे की सूचना विभाग की विज्ञापन नियमावली के अनुसार 2 वर्ष में विज्ञापन सूचीबद्धता की बैठक कर निर्णय लिया जाता है । लेकिन 4 वर्ष हो गए अभी तक प्रदेश के विभिन्न समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के विज्ञापन सूचीबद्धता में लटके हुए हैं। जिन्हें जल्द कार्रवाई पूरा करने की मांग (अकरठअ) उत्तराखण्ड एसोसिएशन की ओर से की गई है 'इस मौके पर (AISNA) उत्तराखण्ड-एसोसिएशन की ओर से एक ज्ञापन भी अपर निर्देशक सूचना को प्रेषित किया गया। इस अवसर पर आइसना उत्तराखण्ड के प्रदेश महासचिव सोमपाल सिंह, सहसचिव अफरोज खॉ, कोषाध्यक्ष धीरज पाल सिंह, कपिल भाटिया, अशोक रावत ,अमित कुमार ,शादाब अली संदीप आदि प्रतिनिधिमंडल शामिल रहे।

थाना पटेलनगर क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या, जूतों के फीतों से गला घोंटकर उतारा मौत के घाट

थाना पटेलनगर क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या जूतों के फीतों से गला घोंटकर उतारा मौत के घाट प्रॉपर्टी डीलर की लाश दोस्त के रूम पर मिली

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। राजधानी के पटेल नगर कोतवाली क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है। यमुनोत्री एन्क्लेव कॉलोनी में शनिवार सुबह को प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का मामला सामने आया है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव

को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है।पुलिस से मिली जानकारी अनुसार गांजा माजरा खेड़री हरिद्वार का रहने वाला 41 साल का मंजेश कंबोज शुक्रवार को अपने दोस्त के पास यमुनोत्री एन्क्लेव कॉलोनी में आया था। मंजेश कंबोज का दोस्त यमुनोत्री एन्क्लेव कॉलोनी में किराए पर रहता है। दोनों प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं।शनिवार सुबह को जब कमरा नहीं खुला तो मकान मालिक कमरे में गए और अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। कमरे में मंजेश का शव पड़ा हुआ था। मकान मालिक ने तत्काल मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वारदात स्थल की जांच पड़ताल की। इसके अलावा पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ भी की।

जांच पड़ताल के बाद कोतवाली पटेल नगर प्रभारी कमल सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया यही लग रहा है कि जूतों के फीतों से गला घोंटकर ही मंजेश कंबोज की हत्या की गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। इसके अलावा पुलिस इलाके में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को भी चेक कर रही है।मृतक के मकान के मालिक प्रदीप कुमार बौडीयाल है, जिसमें सचिन पुत्र नरेश कुमार निवासी भगवानपुर हरिद्वार विगत 2 माह से किराये पर रह रहा था। मृतक मंजेश की मृत्यु प्रथम दृष्टया संदिग्ध परिस्थितियों में होनी पाई गई है, मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पंचायत नामा की कार्रवाई की जा रही है। घटना के संबंध में मृतक हुए परिजनों के दिए गए तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतक के संबंध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि मृतक अपने साथियों के साथ बैंक की कैश वैन से 18 लाख की लूट की घटना में वर्ष 2016 में कोतवाली विकासनगर से जेल जा चुका है।

महापंचायत ड्यूटी में तैनात पुलिस फोर्स को SP उत्तरकाशी ने किया ब्रीफ

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

1 दिसंबर को उत्तरकाशी के रामलीला मैदान में प्रस्तावित ही महापंचायत।।

महापंचायत कार्यक्रम के दौरान कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने किए पुख्ता इंतजाम।।

पूरे क्षेत्र को पुलिस ने 7 जोन 15 सेक्टर में किया विभाजित।पुलिस आसमान से ड्रोन की मदद से करेगी चप्पे चप्पे पर निगरानी।।

प्रस्तावित महापंचायत को देखते हुए उत्तरकाशी पुलिस ने तैयार किया डाइवर्ट प्लान।।देवभूमि विचार मंच द्वारा किया गया है महापंचायत का आवाहन।।सुरक्षा के मद्देनजर बड़ाहाट,मस्जिद मौहल्ला के 50 मीटर के दायरे में धारा 163 कि गई लागू।महापंचायत कार्यक्रम को देखते हुए शहर में आने वाले यातायात को किया गया डाइवर्ट।सिर्फ मेडिकल एम्बुलेंस वाहनों के लिए रहेगी छूट।।

महापंचायत के दौरान ये रहेगा रुट डाइवर्ट प्लान

धरासू की तरफ से उत्तरकाशी आने वाले यातायात को मनेरा बाईपास तिराह से डायवर्ट किया गया है। उक्त यातायात के लिए पार्किंग की व्यवस्था जोशियाड़ा ट्रक यूनियन व इंद्रावती पार्किंग में की गयी है।

* साल्ड, ज्ञानसू की तरफ से आने वाले वाहन गैस गोदाम तिराह से डायवर्ट किये गये हैं, पार्किंग की

व्यवस्था ट्रक यूनियन पार्किंग जोशियाड़ा में की गयी है।

* मानपुर से आने वाला यातायात इंद्रावती पार्किंग में पार्क होगा।

* भटवाडी की तरफ से आने वाले यातायात को तेखला पुल से डायवर्ट किया गया है तथा पार्किंग की व्यवस्था इंद्रावती पार्किंग में की गयी है।

* सर्विस बसों को ट्रक यूनियन पार्किंग तक आने दिया जायेगा।

* भटवाड़ी टैक्सी यूनियन के वाहनों को भटवाडी टैक्सी स्टैण्ड तक आने की परमिशन रहेगी।

* गैस गोदाम बैरियर, भटवाड़ी तिराह, तिलोथ कट बैरियर से समस्त वाहन बाजार क्षेत्र में वर्जित रहेंगे।* स्थानीय लोग सुविधानुसार अपने निकटवर्ती पार्किंग स्थल पर वाहन को पार्क कर बाजार में पैदल आवागमन करेंगे।

आईएएस के बम्पर तबादले हुए

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

एक बार फिर उत्तराखंड सरकार ने ब्यूरोक्रेसी में बड़ा फेरबदल करते हुए कई आईएएस अफसर के विभागों में बदलाव किया हैङ्ख.. इसमें कई सीनियर आईएएस शामिल हैं उत्तराखंड में एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ हैं. कई आईएएस और पीसीएस अधिकारियों के ताबड़तोड़ तबादले किए गए हैं. क्कअर अपूर्वा पांडे को अपर सचिव गृह विभाग बनाया गया है.क्कअर अभिनव शाह से निदेशक जड़ी बूटी विकास एवं शोध संस्थान हटाया गया. ढउर मोहन सिंह बर्निया को सचिव मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण बनाया गया.

प्रमुख सचिव एलएल फैनई से अध्यक्ष अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विकास निगम की कमान वापस ली गई है. रणवीर सिंह चौहान को अपर सचिव कृषि, पेयजल और महानिदेशक कृषि एवं उद्यान विभाग से हटाकर अपर सचिव गन्ना चीनी और प्रबंध निदेशक उत्तराखंड शुगर फेडरेशन मिला है. धीराज गर्ब्याल को अपर सचिव अल्पसंख्यक कल्याण और अध्यक्ष अल्पसंख्यक कल्याण वक्फ विकास निगम की जिम्मेदारी दी गई है.

कई आईएएस के विभागों में फेरबदल

IAS उदय राज को अपर सचिव गन्ना चीनी और उत्तराखंड शुगर फेडरेशन के प्रबंध निदेशक से हटाया गया है. आनंद स्वरूप को अपर सचिव नियोजन की जिम्मेदारी दी गई है. विजय कुमार जोगदंडे को अपर सचिव राजस्व का जिम्मा सौंपा गया है.

रीना जोशी को प्रबंध निदेशक उत्तराखंड परिवहन निगम बनाया गया है. आनंद श्रीवास्तव से प्रबंध निदेशक उत्तराखंड परिवहन निगम की जिम्मेदारी वापस ली गई. मनुज गोयल को अपर सचिव कृषि एवं कृषक कल्याण की जिम्मेदारी मिली है. अनुराधा पाल को अपर सचिव ग्राम में विकास और आयुक्त ग्रामीण विकास की जिम्मेदारी मिली है.

उत्तरकाशी पुलिस को मिलीं महिला कप्तान, नवनियुक्त IPS सरिता डोभाल ने संभाली कमान

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

उत्तरकाशी की नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक सरिता डोभाल द्वारा शनिवार को उत्तरकाशी पुलिस कप्तान के रुप में कार्यभार संभाला गया है, राज्य गठन के बाद वह जनपद उत्तरकाशी की 19वीं तथा पहली महिला पुलिस अधीक्षक हैं। कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व उनके द्वारा सर्वप्रथम उत्तरकाशी स्थित विश्वनाथ मंदिर में बाबा काशी विश्वनाथ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया गया। चार्ज ग्रहण करने के उपरांत उनके द्वारा पुलिस कार्यालय उत्तरकाशी में पुलिस के अधिकारियों के साथ मीटिंग आयोजित कर जनपद की अपराध, कानून, सुरक्षा तथा पुलिस व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया गया।

उनके द्वारा बताया गया कि जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा अपराध पर अंकुश लगाने हेतु वह लगातार प्रयासरत रहेंगी, जनसुरक्षा को मजबूत करना, जनता व पुलिस के बीच विश्वास बढ़ाने के साथ ही महिला सुरक्षा, साइबर अपराध व नशे की रोकथाम को प्राथमिकता दी जाएगी।

नाबालिक लड़की को भगाकर ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता नौशाद अली

पिरान कलियर। पुलिस ने नाबालिक लड़की को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने वाले आरोपी आकिब निवासी पिन्दोल थाना बिल्सी बदायूं उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने एक टीम का गठन कर शुक्रवार को आकिब को नोएडा से गिरफ्तार किया गया । पोक्सो अधिनियम के अन्तर्गत नियमाअनुसार अन्य विधि कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान पुलिस टीम अपर उप निरीक्षक राम अवतार, हेड कांस्टेबल सोनू कुमार, अलियास अली शामिल रहे।

रामलीला मैदान में मस्जिद विवाद पर महापंचायत आज, ड्रोन से होगी निगरानी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशीः रामलीला मैदान में मस्जिद के खिलाफ देवभूमि विचार मंच की ओर से आज महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें शामिल होने के लिए हिंदूवादी नेता व हैदराबाद के विधायक टी राजा भी पहुंच रहे हैं। महापंचायत के मद्देनजर पुलिस ने शहर को 7 जोन व 15 सेक्टर में बांटते हुए यातायात डायवर्ट करने के साथ शहर में फ्लैग मार्च भी निकाला।

बता दें कि यहां बीते चार माह से मस्जिद विवाद शांत होता नजर नहीं आ रहा है। बीते 24 अक्तूबर को मस्जिद के खिलाफ संयुक्त सनातन धर्म रक्षक संघ ने जनाक्रोश रैली निकाली थी, जिसमें पथराव और लाठीचार्ज की घटना में 9 पुलिसकर्मी सहित 27 लोग घायल हुए थे। वहीं, अब विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर देवभूमि विचार मंच रामलीला मैदान में महापंचायत का आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन को गत शुक्रवार देर शाम प्रशासन ने सशर्त अनुमति दी है, जिसके बाद शनिवार से मंच से जुड़े पदाधिकारी व कार्यकर्ता रामलीला मैदान में आयोजन के लिए मंच तैयार करवाने आदि व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

मंच के संयोजक कीर्ति सिंह ने महापंचायत में हिंदूवादी नेता टी राजा के साथ स्वामी दर्शन भारती तथा विहिप और बजरंग दल के बड़े नेताओं के पहुंचने की बात कही है। इधर, महापंचायत को देखते हुए नव नियुक्त एसपी सरिता डोबाल ने ज्ञानसू पुलिस लाइन में पुलिस अधिकारियों को ब्रीफ किया। उन्होंने पुलिस ड्यूटी व यातायात प्रबंधन की समीक्षा करते हुए सुरक्षा इंतजामों की भी समीक्षा की। इस दौरान महापंचायत के मध्येनजर शहर को 7 जोन और 15 सेक्टर में बांटने के साथ यातायात डायवर्ट करने का निर्णय लिया गया।

उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी स्व त्रिवेंद्र सिंह पंवार और समाजसेवी स्व चतरा देवी गुसाईं को इंद्रमणि बडोनी कला एवं साहित्य मंच घनसाली ने दी श्रद्धांजलि

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। घनसाली में इंद्रमणि बडोनी कला एवं साहित्य मंच घनसाली के तत्वाधान में उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के आधार स्तम्भ, उत्तराखण्ड राज्य के हितों लिए आजीवन संघर्षरत रहे, प्रखर राज्य आंदोलनकारी, उत्तराखण्ड क्रान्ति दल के संरक्षक एवं प्रमुख समाजसेवी श्रद्धेय स्व त्रिवेंद्र सिंह पवार जीऔर विकास खण्ड भिलंगना की पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं प्रमुख समाज सेवी ग्राम भेलगढ़ी, नैलचामी निवासी स्व चतरा देवी गुसाईं जीके छायाचित्रों पर वासुलोक होटल में उपस्थित महानुभावों ने श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर श्री लोकेंद्र दत्त जोशी जी की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है। उपस्थित वक्ताओं ने समाज सुधारक के रूप में स्व त्रिवेंद्र सिंह पंवार को राज्य आंदोलनकारी और स्व चतरा देवी गुसाईं के परिवर्तनकारी सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला।

इंद्रमणि बडोनी कला एवं साहित्य मंच घनसाली के अध्यक्ष एडवोकेट श्री लोकेंद्र जोशी जी ने इस बात पर जोर दिया कि स्व त्रिवेंद्र सिंह पंवार जी के आदर्श सभी के लिए प्रेरणा का काम करते हैं और समाज में जागरूकता और प्रगति को बढ़ावा देने के लिए उनके नक्शे कदम पर चलना जरूरी है। उन्होंने स्व चतरा देवी गुसाईं जीकी सामाजिक कार्यों को सभी के लिए एक मूल्यवान विरासत के रूप में मान्यता देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए मंच के सह सचिव/मीडिया प्रभारी श्री बोबी श्रीयाल जी ने अपने संबोधन में बताया कि मंच हमेशा ऐसे महान व्यक्तित्व के कार्यक्रम मनाने का संकल्प लिया है जिन्होंने अपना जीवन, शिक्षा , साहित्य एवं कला का प्रचार-प्रसार के साथ साथ अन्य सामाजिक कार्यों लिए समर्पित कर दिया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित इंद्रमणि बडोनी कला एवं साहित्य मंच घनसाली के अध्यक्ष एडवोकेट श्री लोकेंद्र दत्त जोशी जी, संयोजक श्री बैलीराम कंसवाल जी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री कुलदीप प्रसाद फोदंणी जी और श्री प्रकाश बिजलवाण जी सांस्कृतिक सचिव, सहित व्यापार मंडल घनसाली के अध्यक्ष श्री नरेंद्र डंगवाल जी, राज्य आंदोलनकारी श्री गोविंद प्रसाद बडोनी, राष्ट्रीय रीजनल पार्टी के प्रदेश प्रभारी श्री जितेंद्र थपलियाल जी, जिला अध्यक्ष टिहरी श्री विशन कंडारी जी, विशिष्ट सदस्य श्री मनोज थपलियाल जी, उत्तराखंड जन विकास परिषद के अध्यक्ष श्री केसर सिंह रावत जी, नशा मुक्ति जन जागृति शैक्षिक समिति के सचिव डॉ आर बी सिंह जी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री तेजराम सेमवाल जी, राजकीय शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष श्री लोकेंद्र रावत जी, कोषाध्यक्ष श्री शैलेन्द्र गैरोला जी राजकीय शिक्षक संघ के मंडलीय प्रभारी श्री रामचंद्र शाह जी, राजकीय हाई स्कूल शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष श्री महेश्वर प्रसाद सेमवाल जी, पूर्व प्रधान मेड श्री प्रेम सिंह पवार जी, एडवोकेट श्री पुरुषोत्तम बिष्ट जी, श्री विनोद बडोनी जी सामाजिक कार्यकर्ता, श्री दिवाकर भट्ट प्रदेश सचिव बेरोजगार डिप्लोमा फार्मासिस्ट, डॉ मुकेश नैथानी असिस्टेंट प्रोफेसर एवं वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षक श्री बिशन सिंह राणा, शिक्षक श्री प्रगेंदु कंसवाल, शिक्षक श्री मुरलीधर कंसवाल, श्री रविंद्र डंगवाल, घनसाली के प्रमुख व्यापारी श्री गोविंद सिंह रावत जी एवं राजनैतिक, सामाजिक, शिक्षक कर्मचारी संगठन, उद्योग एवं व्यापार मण्डल घनसाली, अधिवक्ता एवं पत्रकार तथा उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी संघठन सहित समाज से जुड़े अन्य मित्र उपस्थित थे।

दिनदहाड़े गुंडागर्दी जबरदस्ती गार्डों को धमकाकर स्क्रैप से लदी हुई 9 गाड़ियां स्क्रैप डील का उल्लंघन करते हुए मेंन गेट से निकाल ली

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

भगवानपुर हंग टॉयज एवं टेक्सटाइल लिमिटेड द्वारा पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया गया कि 23 नवंबर को रात करीबन 10:00 बजे रिइंवेटेक्ट लॉटिक प्राइवेट लिमिटेड सरिता विहार न्यू दिल्ली के आदमियों ने हमारे प्लांट से जबरदस्ती गार्डों को धमकाकर स्क्रैप से लदी हुई 9 गाड़ियां स्क्रैप डील का उल्लंघन करते हुए मेंन गेट से निकाल ली है' इतना ही नहीं उन्होंने बताया कि रिइंवेटेक्ट लॉटिक प्राइवेट लिमिटेड की और से नासिर फाल्गुनी राय आलम मुनव्वर आदि लोगों ने हमारे गार्डों को ना सिर्फ धमकाया डराया उसे पूर्व इन लोगों द्वारा मेरे ऑफिस में आकर मुझको धमकाया गया मनीष कुमार ने बताया कि नासिर के कुछ व्यक्ति फैक्ट्री के अंदर घुसे शूटर पर लगा ताला थोड़ा और गाड़ियों को अंदर घुसाया गया

कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर एडमिन मुनीष कुमार ने बताया कि 22 नवंबर को स्क्रैप उठाने के लिए उनकी कंपनी द्वारा 2 करोड़ 36 लाख रुपए में कॉन्ट्रैक्ट दिल्ली की कंपनी को दिया गया था परंतु कंपनी द्वारा जो पेमेंट करनी थी वह नहीं की और 66 लख रुपए बकाया है ' उन्होंने बताया कि दबंग द्वारा गाड़ियां जबरदस्ती निकल ली गई जिस पर जब मेरे द्वारा पुलिस को फोन किया गया तो पुलिस की मदद से हमारी गाड़ियां रिकवर हो गई ' उन्होंने बताया कि यह दबंग लोग है और इनसे लगातार हमें डर का माहौल बना हुआ है ' मामले को लेकर कंपनी की ओर से पुलिस को तहरीर देकर उक्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है '

उत्तरकाशी मस्जिद विवाद में हिंदू संगठनों को महापंचायत की सशर्त अनुमति मिली

16 शर्तों का करना होगा पालन, उल्लंघन होने पर होगी कार्रवाई

मस्जिद के 50 मीटर तक धारा 163 की गई लागू

सड़क जाम की तो होगा मुकदमा दर्ज

कोर्ट ने दिए थे सुरक्षा व्यवस्था कायम करने के आदेश

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में महापंचायत करने के लिए देवभूमि विचार मंच प्रशासन से अनुमति मांग रहा था। मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया था। अब उस महापंचायत को जिला प्रशासन ने कुछ शर्तों के साथ अनुमति प्रदान कर दी है। 1 दिसंबर को उत्तरकाशी में अब पंचायत होगी। हालांकि प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखनी होगी। अगर व्यवस्था बिगाड़ी गई तो कार्रवाई के लिए भी आयोजकों को तैयार रहना होगा।

उत्तरकाशी में मस्जिद के खिलाफ प्रस्तावित महापंचायत को प्रशासन ने 16 शर्तों के साथ अनुमति दे दी है। उत्तरकाशी के उप जिला अधिकारी मुकेश रमोला इस बात की पुष्टि की है। उप जिलाधिकारी ने कहा कि महापंचायत को लेकर लगातार परमिशन मांगी जा रही थी। लिहाजा हमने परमिशन तो दी है। लेकिन आयोजकों को यह भी कहा है कि अगर किसी भी तरह की व्यवस्था फैली तो तत्काल प्रभाव से महापंचायत की परमिशन को रद्द भी किया जा सकता है।आयोजकों को यह ध्यान रखना होगा कि किसी भी तरह की ऐसी कोई भी बयानबाजी मंच या पंचायत स्थल से ना हो, जिससे समाज में तनाव फैले। इसके साथ ही शांति व्यवस्था बनाए रखने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने, सड़क इत्यादि जाम न करने और मस्जिद के आसपास भीड़ न इकट्ठा होने की भी शर्त प्रशासन की तरफ से रखी गई है।इसके साथ ही जिला प्रशासन के द्वारा मस्जिद मोहल्ले के 50 मीटर के दायरे में अभी से धारा 163 लागू कर दी गई है। महापंचायत के दौरान किसी व्यक्ति के हाथ में लाठी, डंडे, तलवार या कोई भी हथियार नहीं होगा। किसी तरह के कार्यक्रम, सांस्कृतिक आयोजन जिससे भीड़ इकट्ठा हो, नहीं हो पाएंगे। महापंचायत में हिंदू संगठनों के अलग-अलग लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। उत्तरकाशी में रविवार को होने वाली महापंचायत को लेकर जगह-जगह पर पुलिस प्रशासन तैनात किया गया है। ताकि किसी भी तरह की कोई भी घटना महापंचायत के दौरान ना हो।

क्या है उत्तरकाशी का मस्जिद विवाद?

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में एक 55 साल पुरानी मस्जिद को लेकर विवाद चल रहा है। ये विवाद तब बढ़ गया, जब एक समुदाय के धार्मिक संगठन ने मस्जिद को अवैध बताते हुए प्रशासन के खिलाफ जनाक्रोश रैली आयोजित की थी। रैली के दौरान तनाव हो गया था। पुलिस ने 8 नामजद और 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। उत्तरकाशी के बाड़ाहाट इलाके में स्थित इस मस्जिद का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था। मस्जिद के लिए 4 नाली और 15 मुट्ठी भूमि का सौदा एक समुदाय के व्यक्ति ने दूसरे समुदाय के सात लोगों को बेचे जाने के साथ किया गया था। वर्ष 2005 में इस मस्जिद की जमीन का दाखिल-खारिज किया गया, जिससे यह कानूनी विवाद में आ गई। सितंबर 2023 में एक समुदाय के धार्मिक संगठन ने इस मस्जिद को अवैध बताकर जिला प्रशासन से इसके निर्माण को लेकर आरटीआई में जानकारी मांगी थी। उसी के बाद विवाद बढ़ता चला गया।

पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए आदर्श क्षेत्र है येलोस्टोन नेशनल पार्क

ये लोस्टोन क्षेत्र समुद्रतल से औसतन 8000 फिट ऊंचा है, यहाँ की कई चोटियां तो 13,000 फीट ऊंची हैं, 8983 वर्ग किमी के इलाके में बर्फ से ढकी पहाड़ी चोटियां , शुद्धतम जल से लबालब झीलें और नदियां , भरपूर वन्य जीवन, वनस्पतियाँ तो हैं ही साथ ही यह धरती मां की जीवंत प्रयोगशाला भी है, जिस में विकास और विनाश के रहस्य अध्ययन करने का पूरा पूरा अवसर है. सिएटल से येलोस्टोन जाने के लिए सड़क मार्ग से स्पोकेन होकर 14 घंटे लगते हैं, फ्लाइट से जाना आसान है, इसलिए करीबी एयरपोर्ट अलास्का से यह दूरी कोई 1000 मील है.पूरा रास्ता वाशिंगटन राज्य के बर्फीले पहाड़ों, हरे भरे मैदानों से हो कर गुजरता है, मीलों मीलों में फैले खेत आबादी का पता नहीं, पूरी खेती बड़ी यंत्रीकृत है। यह राज्य साल में इतना गेंहू पैदा कर लेता है जो पूरे अमरीका के लिए काफी होता है.दरअसल बोजमैन येलोस्टोन जाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, यहाँ से पार्क का प्रवेश द्वार केवल 90 मील रह जाता है.

ऐतिहासिक कालखंड

पार्क का क्षेत्र तीन अमरीकी राज्यों मोंटाना, व्योमिंग और आइडाहो में फैला हुआ है.इस इलाके को विभिन्न कबीलों और जनजातियों ने 11,000 वर्षों से अपना आवास बनाया थाऐ लोग आखेट करते थे, झरनों, नदियों से मछलियां पकड़ते थे , विभिन्न जड़ी बूटियों को खाने और उपचार के काम में लेते थे , ये लोग तापीय झरनों का पानी उपचार और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल करते थे.अमरीका में आये यूरोपीय लोगों को अठाहरवीं शताब्दी की प्रारम्भ में इस विलक्षण इलाके का पता लगा.1830 के आस पास ओस्बोर्न रसेल ने इस इलाके के बारे में काफी विस्तार से लिखा, उसके आलेख से प्रभावित होकर 1869 में एक अध्ययन टीम डेविड ई कोलमेन के नेतृत्व में यहाँ आयी , टीम ने येलोस्टोन झील के अप्रतिम सौंदर्य, कैन्यन विस्तार, तापीय बेसीन और रॉक बनावट के बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। इसके अगले वर्ष चार्ल्स कुक और फॉल्समम की खोजी टीम ने भी ऐसी ही रिपोर्ट प्रस्तुत की , इसके आधार पर 1872 में राष्ट्रपति ग्रांट और अमरीकी सीनेट ने इस इलाके को संरक्षित क्षेत्र अर्थात नेशनल पार्क घोषित कर दिया। इस पार्क को दुनिया का पहला संरक्षित क्षेत्र होने का भी गौरव हासिल है। उस समय एक सीनेटर ने कहा था कि यह क्षेत्र अमरीका के फेफड़ों के लिए ताजा हवा का काम करेगा। प्रारम्भ में इसकी देखभाल अमरीकी सेना के पास रही बाद में १९१६ में नेशनल पार्क सर्विस की स्थापना के बाद से पार्क उसके अधीन कर दिया गया.

कहानी की शुरुआत

एक अनुमान के हिसाब से पृथ्वी अब से कोई 4600 करोड़ वर्ष पहले बनी तब से लेकर 5400 लाख वर्ष पूर्व तक के काल की चट्टानों से येलोस्टोन का इलाका बना है.ये सारी चट्टानें टीटान,बेरटूथ, विंड रिवर और ग्रॉस वेंट्रे इलाकों में हैं.5400 लाख से लेकर 660 लाख वर्ष के काल में अमरीका का पश्चिमी इलाका समुद्र, रेतीले पहाड़ों , विस्तृत मैदानों से आछादित था, इसके बाद पहाड़ बनने की प्रक्रिया से रॉकी माउंटेन क्षेत्र विकसित हुआ.यहाँ पर्वत बनने और पृथ्वी की सतह ऊँची नीची होने के कारण हिलने डुलने और बर्फ जमने से येलोस्टोन इलाका अस्तित्व में आया.500 लाख वर्ष पहले पार्क के उत्तरी और पूर्वी इलाके में अब्सरोका श्रंखला कई ज्वालामुखी फटने से अस्तित्व में आयी.लेकिन उस ज्वालामुखी प्रक्रिया का सम्बन्ध आज की येलोस्टोन ज्वालामुखी गतिविधियों से नहीं है। एक अनुमान के अनुसार 300 लाख वर्ष पूर्व आज का पश्चिम पूर्व पश्चिम धुरी के साथ खिंचता गया। खिंचने की यह प्रक्रिया 170 लाख वर्ष पहले कुछ और बढ़ गयी और अभी तक जारी है जिसके कारण नए ,बेसिन बने है , उत्तर-दक्षिण पर्वत श्रंखला और उसकी लम्बी घाटी भी इसी प्रक्रिया से बनी है.इस तरह से पूरा दक्षिण का क्षेत्र जिसमें येलोस्टोन भी शामिल है निर्मित हुआ है.165 लाख वर्ष पहले आज के समुचे आइडहो, ओरेगॉन और नेवाडा इलाके में ज्वालामुखी विस्फोटों का सिलसिला निरंतर चलता रहा.वहां से पिघला हुआ लावा प्रवाहित हो कर दक्षिण आइडहो से येलोस्टोन की ओर आ गया। उत्तरी अमरीका की प्लेट इस पिघलते हुए लावा पर खिसक कर दक्षिण पश्चिम दिशा में आ गयी जिससे येलोस्टोन क्षेत्र भी पिघले लावा के समीप आ गयी , तबसे ज्वालामुखी इस क्षेत्र के अंदर लगातार सक्रिय है.

येलोस्टोन लेक

यह लेक 136 वर्ग मील के क्षेत्र में फैली है और इसका घेरा 110 मील का है , समुद्र तल से 7,732 फीट की ऊंचाई पर अवस्थित यह लेक इलाके का सबसे बड़ा जलभंडार है, लेक की गहराई कहीं कहीं 392 फीट तक चली गयी है , जाड़ों में लेक पर 3 फीट बर्फ की चादर जम जाती है. हाँ,जहाँ जहाँ लेक में गर्म सोते हैं वहां बर्फ नहीं जमती है। लेक दिसंबर में जमती है और मई या फिर जून के प्रारम्भ में पिघल जाती है। लेक में कटथ्रोट ट्राउट, लॉंगनोज डेस , रेडसीडे शाइनर, लांगनोज सकर्स मछलियां पाई जाती है.लेक का पानी इतना साफ है कि फिशिंग ब्रिज से कटथ्रोट ट्राउट, लॉंगनोज डेस मछली आसानी से देखी जा सकती हैं.अन्य किस्म बहुत छोटे आकार की होती हैं अतः उन्हें स्पॉट करना ब्रिज से संभव नहीं है. येलोस्टोन नदी पार्क की दक्षिण पूर्वी अब्सरोका पर्वत श्रंखला यौंत शिखर के ढलान से अपना सफर शुरू करके 671 मील चल कर मोंटाना और नार्थ डकोटा सीमा पर मिसौरी नदी में मिल जाती है, अंतत मिसोरी गल्फ आफ मेक्सिको में अटलांटिक सागर से विलीन हो जाती है.लेक के किनारे विशेषकर फिशिंग ब्रिज के आस पास के कीचड वाले इलाके में सुबह शाम मूज देखने को मिल जाते हैं।

पार्क के अन्य आकर्षक स्थल

ओल्ड फैथफुल गाइजर

इस गाइजर को 1870 में वशबर्न और उनकी खोजी टीम ने ढूंढा था, इसका नामकरण इरप्शन की नियमितता को देखकर किया गया था. जब से यह खोजा गया है इसके 10 लाख से भी अधिक इरप्शन हो चुके हैं ! इरप्शन का अनुमान इतना सटीक होता है कि इसमें 10 से 20 मिनट का अंतर रहता है. विशेषज्ञों की माने तो एक बार के इरप्शन से 8,400 गैलन तक प्रवाहन होता है और स्रोत से निकलने वाले पानी का तापक्रम 204 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है। गैस का तापमान 350 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच जाता है.

मैमथ हाट स्प्रिंग्स टेरेस

ये स्प्रिंग्स पश्चिमी प्रवेश द्वार के बिलकुल समीप ही हैं.दुनिया में कहीं भी मैमथ हाट स्प्रिंग्स जैसे फाउंटेन न तो प्रकृतिक रूप में देखने को मिलते हैं न ही कहीं मनुष्य द्वारा बनाये जा सके हैं। टेरेस की धवल और कहीं कहीं रंगीन चट्टानों से धीरे धीरे पानी बहता रहता है। ये स्प्रिंग प्रारम्भ से उन लोगों को आकर्षित करते रहे हैं जो अपनी विभिन्न बीमारियों का हल खनिज जालों में तलाशते रहे हैं। मैमथ हाट स्प्रिंग येलोस्टोन के गहरे वाल्कनीक बालों की बाह्य अभिव्यक्ति कहे जा सकते हैं, हालाँकि ये स्प्रिंग काल्डेरा क्षेत्र से बाहर हैं लेकिन फिर भी विशेषज्ञों की मने तो इनमें गर्म हवाओं का प्रवाहन येलोस्टोन के उन्हीं मग्नामैटिक प्रणाली से हैं जो यहाँ के अन्य तापीय क्षेत्रों को सक्रिय रखे हुए हैं.नारिस गाइजर बेसिन और मैमथ के बीच में फाल्ट लाइन है जिसके कारण उसके बीच में तापीय पानी बहता है.इस क्षेत्र में अनेक बासाल्ट इरप्शन हो चुके हैं, मैमथ क्षेत्र में गर्मी का स्रोत शायद बासाल्ट ही हैं। तापीय गतिविधि इस इलाके में कई हजार वर्षों से जारी है, टेरेस पहाड़ी पर ट्रेवरटाइन की मोटी चादर चढ़ी हुई है. मैमथ हाट स्प्रिंग टेरेस उस पहाड़ी से जहाँ आज हमने इसे देखा आगे परेड ग्राउंड तक चले गए हैं और आगे जा कर बॉयलिंग नदी में मिल जाते हैं। देखा जाय तो मैमथ हाट स्प्रिंग होटल और फोर्ट येलोस्टोन पुरानी टेरेस संरचना पर ही बने हुए हैं.जब 1891 में जब फोर्ट की जमीन पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था तो यह चिंता व्यक्त की गयी थी कि नीचे की खोखली हुई जमीन भवन का भर नहीं संभल पाएगी, आज भी परेड ग्राउंड में अनेक बड़े आकार के गहरे होल देखे जा सकते हैं।

ग्रैंड प्रिस्मैटिक

यह तो सही है कि ओल्ड फेथफुल ज्यादा प्रसिद्ध है लेकिन येल्लोस्टोन पार्क में सबसे ज्यादा फोटो ग्रैंड प्रिस्मैटिक हाट स्प्रिंग के लेते हैं , इसका कारण इसके चमचमाते इंद्रधनुषी रंग और इसका विशाल आकार है.पार्क अधिकारियों ने इसके इर्द गिर्द विशाल आकार का बोर्ड-वाक बनाया है हम इस बोर्ड-वाक पर चलते चलते चमकीले नीले, पीले और अन्य रंगों के इस स्प्रिंग को केवल मन्त्र मुग्ध हो कर निहारते रहे.अब तक प्रकृति का ऐसा नजारा कहीं भी देखने को है.ये स्प्रिंग्स 10 मंजली बिल्डिंग जितने गहरे हैं , अंदर दरकी हुई जमीन से पानी 121 फीट ऊपर उछाल मार कर आता है ग्रैंड प्रिस्मैटिक का आकार फुटबॉल के मैदान जितना बड़ा है , ग्रैंड प्रिस्मैटिक के विभिन्न किस्म के रंग अतिशय गर्म वातावरण में जीवित रहने वाले बैक्टीरिया के कारण है, बीच का नीला रंग सब रंगों में ज्यादा प्रधान है क्योंकि क्योंकि पानी नीली वेब-लेंथ को सबसे ज्यादा बिखराता है.जिसके कारण आँख को नीला रंग दिखता है.

येलोस्टोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है

येलोस्टोन की प्राकृतिक प्रक्रिया पूरी तरह से संरक्षित तापीय इको प्रणाली में कार्यरत है और अभी तक इसमें मानवीय दखलंदाजी बहुत कम हुई है. इस लिए पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए यह क्षेत्र आदर्श है, यही नहीं यहाँ 11,000 वर्षों से मानवीय गतिविधियां निर्बाध रूप से चल रही हैं इस लिए मानव जाती के इतिहास और वास्तुशिल्प का सिलसिलेवार लेखा जोखा मौजूद है. यहाँ भूगोलविद और अन्य वैज्ञानिक लैंडस्केप स्तर पर बदलाव से इको - प्रणाली पर प्रभाव से लेकर सूक्ष्म जीव संरचनाओं के अध्ययन में जुटे हुए हैं जिनका प्रभाव केवल पार्क ही नहीं पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है.

प्रकृति की अपनी प्रयोगशाला

पृथ्वी की निचली सतह से पिघली हुई चट्टानें पिछले 20 लाख वर्षों से येलोस्टोन में ऊपरी सतह के बेहद करीब हैं जिसके कारण ऊपरी सतह के बहुत करीब कहीं पिघली तो कहीं ठोस चट्टानों के कक्ष बन गए हैं, पिघली चट्टानों की गर्मी से धरती की ऊपरी सतह लगातार फैलती और ऊंची उठती रहती है, इसी कारण इस क्षेत्र में भूकंप भी निरंतर आते रहते हैं.जगह जगह आये क्रैक्स में से पिघली चट्टानों की गर्मी, राख और गैस वायुमंडल तक फव्वारे जहाँ तहँ से निकलती रहती है.जहाँ जहाँ पिघले हुए लावा के भूमिगत चैम्बर खाली हो गए हैं वहां जमीन धंस गयी है और काल्डेरा यानी ज्वालामुख-कुंड बन गए हैं. कुल मिला कर येलोस्टोन में तीन विशाल काल्डेरा हैं जो भूगर्भ शास्त्रियों को इतने समीप से प्रकृति के रहस्यों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं.

प्रकृति का थर्मामीटर

येलोस्टोन में किये जा रहे अध्ययन से पता चला है कि प्रकृति में प्रतिकूल ताप पर भी जीवन संभव है, इससे लगता है कि अन्य ग्रहों पर भी किसी न किसी रूप में जीवन होने की संभावनाएं हैं. 1968 में शोधकर्ता थामस ब्रॉक ने पहली बार येलोस्टोन के उच्च तापीय स्प्रिंग में माइक्रोब खोज कर चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में धमाका किया था, इस शोध से जीवन सम्बन्धी अन्य रहस्यों को भी धीरे धीरे अनावृत करने का काम काफी आगे बढ़ा है.

मिडवे गाइजर बेसिन के अन्य गाइजर और पूल

येलोस्टोन के मध्य गाइजर बेसिन भले ही आकार में छोटे हैं लेकिंग उनमें काफी विविधता है , इनमें से हम एक्सेलसियर गाइजर, विशाल गाइजर क्रेटर, फिरोजी पूल और ओपल पूल देख पाए। फायर होल नदी के पास में घूमते हुए विविध किस्म के गैसीय पार्टिकल की गंध का अनुभव भी हुआ बताते हैं कि सन 1800 के आस पास एक्सेलसियर गाइजर से 300 फिट की ऊंचाई तक गैसीय पदार्थ निकला करते थे , इस पूरे क्षेत्र में इसी लिए घूमते समय पूरी सावधानी की सलाह दी जाती है क्या पता कब गैसीय पदार्थ फव्वारे की तरह निकल पड़ें ऐसा इसलिए भी कि 1985 में यहीं पर अचानक दो दिन तक लगातार इरप्शन हुआ जिसकी ऊंचाई 80 फिट तक नापी गयी।

मिडवे गाइजर बेसिन कहाँ हैं?

ये गाइजर ओल्ड फेथफूल से करीब ही उत्तर में हैं, यहाँ जाने के लिए हमने तो पश्चिम प्रवेश द्वार से ग्रैंड लूप रोड पर 25 मील ड्राइव किया, यहाँ दोपहर में जबरदस्त भीड़ रहती है , हमारे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि सुबह सवेरे पहुंचना आसान है, उनकी सलाह मान कर हम इन्हे आराम से देख पाए. येलोस्टोन का ग्रैंड कैनियन यहाँ का ग्रैंड कैनियन सच में देखने वाली जगह है , यह पार्क के उत्तरी पूर्वी किनारे पर है, समीप में छोटा सी आबादी कैनियन विलेज है.लगातार जंगल, पहाड़ देखते देखते यहाँ कुछ दुकानें, रेस्टॉरेंट , ठहरने के लिए कई लाज और पर्यटक केंद्र होने के कारण लगता है जैसे शहरी आबादी में पहुँच गए हों। ग्रैंड कैनियन हजारों वर्ष तक हवा, पानी और अन्य प्रकृतिक हलचलों का नतीजा है कैनियन 20 मील से भी अधिक लम्बा है और चौड़ाई कोई डेढ़ मील है, कैनियन की दीवारें 9000 फिट ऊंची हैं जिन्हे देख कर लगता है कि जैसे लाखों संगतराशों ने मिल कर इस अगढ़ रचना को मिल कर सैकड़ों हजारों साल में तराशा हो.इस कैनियन मार्ग से येलोस्टोन रिवर बहती है, यह व्योमिंग, मोनटाना, नार्थ डकोटा राज्यों से गुजर कर 600 मील का सफर तय करती है , यह पूरी तरह से स्वछंद है कहीं भी इस पर कोई डैम नहीं बनाया गया है। कैनियन विलेज के पास दो आब्सर्वेषां पाइंट हैं जहाँ से येलोस्टोन फॉल की विशालता और भव्यता को महसूस किया जा सकता है, फाल तक पहुँचने के लिए ट्रेल भी हैं, रास्ता जरा संकरा है, बहुत से सैलानी वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

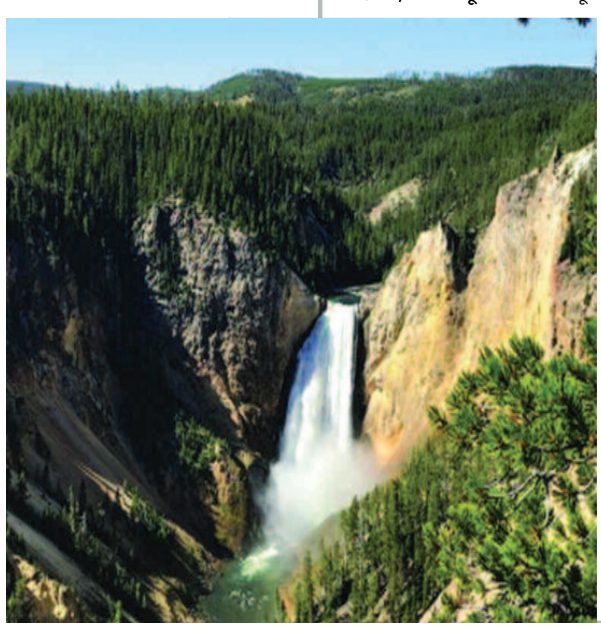

नारिस थर्मल गाइजर

नारिस गाइजर बेसिन येलोस्टोन पार्क के व्योमिंग क्षेत्र में हैं, ये पार्क का सबसे गर्म तापीय भाग है, इसमें तीन मुख्य बेसिन हैं : पोर्सलीन - इसमें दूधिया रंग के भाप भरे परिदृश्य हैं जो 075 मील की धूल भरी ट्रेल और बोर्डवॉक कैरस्केड के जरिये देखे जा सकते हैं, यहाँ तापीय गतिविधियों के कारण पेड़ एक दम सूख गए हैं।

बैक बेसिन - यह घने पेड़ों वाला क्षेत्र है जिसमें कई गाइजर और तापीय स्प्रिंग हैं , इसके चारों ओर 15 मील का धूल भरा ट्रेल और बोर्ड वाक है.

सौ स्प्रिंग वाला मैदान - यह नारिस गाइजर बेसिन का ट्रेल के बाहर का इलाका है, यहाँ की हवा में जबरदस्त अम्लीय उपस्थिति है, जमीन पोली और खतरनाक है इस लिए पार्क अधिकारी सैलानियों को यहाँ आने के लिए हतोत्साहित करते हैं.

नारिस बेसिन में सतह से 1000 फीट जबरदस्त भूगर्भीय तापीय गतिविधि चल रही है, नारिस तापीय प्रणाली में पार्क का सबसे अधिक तापक्रम 459 डिग्री फारेनहाइट रेकॉर्ड किया गया हैआश्चर्य की बात यह है कि इतने अधिक तापक्रम के वावजूद यहाँ सेजब्रश छिपकली आराम से रह लेती है.यहाँ अम्लीय ताल और उच्च तापक्रम वाले पानी के सतही किनारों पर हरे, गुलाबी और नारंगी रंग के अति सूक्ष्म जीव मजे से पनपते हैं, इन तालों से वहने वाले आयरन डाई आक्साइड, आर्सेनिक कम्पाउंड , सल्फर के कारन रंगों की छठा कुछ और निखार आती है, इन्ही के कारण पूरा क्षेत्र रंग बिरंगा नजर आता है.

ओल्ड फेथफुल इन

पार्क और उसके बाहर ठहरने के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। हम पार्क के गेट से कोई 10 मील पहले रेनबो कैम्पिंग साइट पर एक आठ कमरे वाले बड़े घर में रुके थे जो काफी आरामदेह और किफायती रहा.लेकिन येलोस्टोन में ठहरने के लिए सबसे बेहतरीन जगह ओल्ड फेथफुल इन है जो ओल्ड फेथफुल गाइजर के ठीक सामने है। इसे राबर्ट सी रीमार ने 1904 में डिजाइन किया था , उस जमाने में यह 1,40,000 डालर की लागत में तैयार हुआ था.यह दुनिया भर में विशालतम लॉग स्टाइल संरचना है, इसकी लॉबी 74 फीट ऊंची है.इसमें लकड़ी के अलावा ज्वालामुखी से निकले हुए पदार्थों का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ आने वाले सैलानियों में होटल में ठहरने से लेकर भोजन करने के लिए जबरदस्त क्रेज है. होटल पिछले सौ वर्षों से अतिथि सेवा और अच्छे भोजन के लिए सैलानियों में क्रेज से कम नहीं है.पूरी लकड़ी की संरचना होने के वावजूद इस होटल में ठहरने के लिए 140 कमरे मुख्य संरचना में हैं.1914 और 1927 में भवन विस्तार किये जाने परयहाँ कुल मिला कर 300 कमरे हो चुके हैं.होटल मई में खुलता है और अक्टूबर के प्रारम्भ तक खुला रहता है.

पार्क का वन्य जीवन

पार्क में वन्य जीवन भी काफी विविधता से भरा है काले और ग्रिजली भालू, यल्क, बायसन तो हैं ही साथ ही स्तनपायी जीवों की 60 से भी अधिक किस्में मौजूद हैं। पार्क में पक्षी जीवन भी काफी विविधता भरा है , यहाँ बाल्ड ईगल,ब्लैक बिलड मैगपाई, ग्रे जे, कव्वे का बड़ा भाई रैवेन, ऑस्प्रे, कनाडियन गीस, मैलर्ड डक, ट्रम्पेटेर हंस, सफेद पेलिकन, पहाड़ी ब्लू बर्ड बहुतायत से पाए जाते हैं.

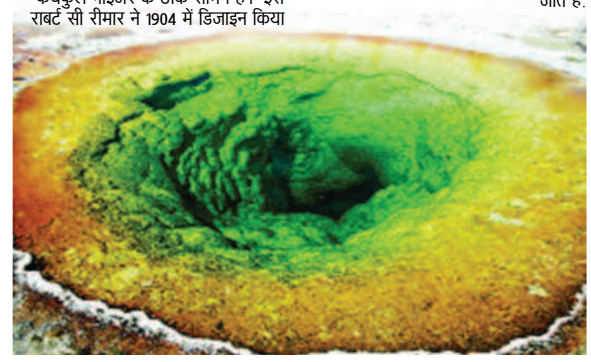

टीम इंडिया की नई वनडे जर्सी लॉन्च, हरमनप्रीत कौन को आई पसंद

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मुंबई में बीसीसीआई दफ्तर में टीम इंडिया की नई वनडे जर्सी का अनावरण किया। इंडिया टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 22 दिसंबर से बड़ौदा में होने वाली वनडे सीरीज में नई जर्सी पहनेगी। हरमनप्रीत ने एक वीडियो में कहा कि आज जर्सी का अनावरण करना सम्मान की बात है और मुझे वास्तव में खुशी है कि आप जानते हैं, हम पहले व्यक्ति हैं जो वेस्ट इंडीज टीम के खिलाफ इस जर्सी को पहनने जा रहे हैं। जर्सी का लुक पसंद आया। यह वास्तव में सुंदर है हमें एक विशेष वनडे जर्सी मिली है। टीम इंडिया 15 दिसंबर से शुरू होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज और आयरलैंड की मेजबानी करेगा। इसके बाद नवी मुंबई और वडोदरा में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वन-डे और इतने ही टी20 मैच खेलेगा। जनवरी में राजकोट में आयरलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज होगी। टीम इंडिया 15, 17 और 19 दिसंबर को डीवाई पाटिल स्टे-डियम में खेले जाने वाले तीन टी20 मैचों में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा, जिसके बाद 22, 24 और 27 दिसंबर को वडोदरा में तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इंडिया 10, 12 और 15 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में तीन वनडे मैचों की सीरीज आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। ये दोनों वनडे सीरीज आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगी, जो भारत में अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन प्लेटफॉर्म है।

भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग को वापस लाना है लक्ष्य : अभिषेक

नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के फारवर्ड अभिषेक का कहना है कि उनका लक्ष्य भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग को वापस लाना है। अभिषेक का कहना है कि हमने ओलंपिक में पदक जीतने की प्रक्रिया शुरू कर दी है पर स्वर्ण युग अभी हासिल नहीं हुआ है जिसके लिए हमें अभी और प्रयास करने हैं। वह हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी शामिल थे।

अभिषेक हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपये में खरीदा था। वह पहली बार एचआईएल टूनार्मेंट खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ह्ययह अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग अनुभव होगा। एचआईएल भारतीय हॉकी के लिए भी एक बड़ी बात होने जा रही है क्योंकि हमें लीग में बहुत सारे विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलेगा। इस प्रकार एचआईएल से राष्ट्रीय टीम को लाभ ही मिलेगा, उसे बेहतर खिलाड़ी मिलेंगे।

उन्होंने कहा, ह्यहमारी एचआईएल टीम में बेल्जियम और जर्मनी के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। एचआईएल के दौरान उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना और खेल से जुड़ी जानकारी प्राप्त करना बहुत अहम होगा। हम उनसे छोटी-छोटी बातें सीखेंगे। अभिषेक लीग के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी है पर उन्होंने कहा कि वह दबाव लेने की जगह इसका आनंद उठायेंगे।

पृथ्वी अपनी फिटनेस को ठीक करें, घरेलू क्रिकेट में अधिक से अधिक रन बनायें : कैफ

मुम्बई

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें अपने प्रदर्शन पर शर्म आनी चाहिये। कैफ के अनुसार लगातार खराब प्रदर्शन के कारण ही पृथ्वी को आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला। एक भी फ्रैंचाइज ने उनपर बोली नहीं लगायी। पृथ्वी ने नीलामी के लिए अपना आधार मूल्य 75 लाख रुपए लगाया था। कैफ का मानना है कि पृथ्वी को अपनी फिटनेस पर काम करते हुए घरेलू क्रिकेट में अधिक से अधिक रन बनाने चाहिये। उन्होंने कहा, फ्रैंचाइजी आगे बढ़ गई हैं और यह उनके लिए बहुत बड़ी शर्म की बात है कि उन्हें 75 लाख रुपए की बोली भी नहीं मिली। उन्हें घरेलू क्रिकेट में वापस लौटना चाहिए और रन बनाने चाहिए। ।

कैफ ने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को इस बात पर शर्मिंदा होना चाहिए कि बोली प्रक्रिया में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। कैफ ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार अच्छा प्रदर्शन देखने की उम्मीद के साथ उनका समर्थन किया था। उनमें एक ओवर में 6 चौके लगाने की क्षमता है। पिछले सत्र की बात करें तो हमें लगा था कि अगर वह रन बनाएंगे, तो दिल्ली कैपिटल्स जीत जाएगी। उन्हें अपनी योग्यता साबित करने के लिए बहुत मौके दिए गए। उन्होंने कहा, टीम बैठकों के दौरान, इस बात पर विचार किया कि पृथ्वी को उनकी असफलताओं के कारण अंतिम 11 में रखा जाना चाहिए या नहीं। हमने तय किया कि उन्हें बेंच पर बैठाया जाएगा पर अगले दिन हमने यह सोचकर अपना फैसला बदल दिया कि वह बड़ा प्रदर्शन करेंगे और हमें मैच जिताएंगे पर ऐसा नहीं हुआ।

रोहित की वापसी के बाद भी राहुल ही करें पारी की शुरूआत : पुजारा

कैनबरा

बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा की वापसी के बाद भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडीलेड में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में केएल राहुल ही यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरू करें। रोहित के पहले टेस्ट में नहीं होने के कारण राहुल ने यशस्वी के साथ पारी शुरू की थी। इस जोड़ी का प्रदर्शन अच्छा रहा था। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों में जबरदस्त बल्लेबाजी करने वाले पुजारा का मानना है कि सीरीज के पहले मैच में 295 रन की जीत के बाद सलामी जोड़ी में कोई बदलाव नहीं होना चाहिये।

उन्होंने कहा कि यशस्वी ने पहली पारी में शानदार शतक लगाया। वहीं राहुल ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए पर्थ में दो पारियों में 26 और 77 रन बनाए। पुजारा ने कहा, मुझे लगता है कि अगर हम इसी बल्लेबाजी क्रम को जारी रख सकते हैं तो रोहित तीसरे नंबर पर आ सकते हैं और शुभमन पांचवें नंबर पर आ सकते हैं। अगर रोहित शुरू करना चाहते हैं, तो राहुल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। उसके बाद कुछ नहीं। मुझे लगता है कि उन्हें शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करनी चाहिए, क्योंकि यह उनके खेल के लिए बहुत अच्छा है। मुझे उम्मीद है कि इसमें बदलाव नहीं होगा।

वहीं पुजारा ने कहा, आदर्श रूप से शुभमन के लिए 5 वां स्थान अच्छा है इससे उन्हें एक समय में आने का मौका मिलता है, भले ही हम दो विकेट जल्दी खो दें, वह ऐसा खिलाड़ी है जो नई गेंद से निपट सकता है। लेकिन अगर वह 25 या 30 ओवर के बाद आता है, तो वह अपने शॉट खेल सकता है। वह अपना स्वाभाविक खेल खेल सकता है। उन्होंने कहा, अगर हम पहले तीन विकेट जल्दी खो देते हैं, तो शुभमन आता है और पुरानी गेंद के लिए ऋषभ पंत को बचाता है। पंत को नई गेंद का सामना नहीं करना पड़ता है। पुजारा ने कहा, मैं नहीं चाहूंगा कि वह तब बल्लेबाजी के लिए आए जब गेंद सख्त और नई हो।

दक्षिण अफ्रीका दौरे में हो सकती है बाबर आजम सहित इन खिलाड़ियों की वापसी

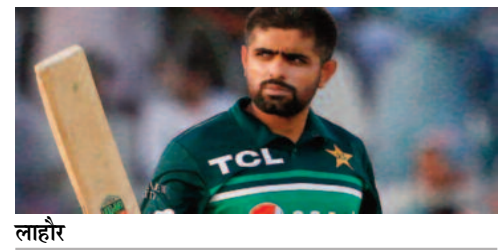

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे में पूर्व कप्तान बाबर आजम , फखर जमां के अलावा तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफर-ीदी और नसीम शाह की वापसी हो सकती है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले कुछ दिनों में दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा करेगा। पाक टीम अपने इस दौर में तीन एकदिवसीय, तीन टी20क और दो टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार फखर को पहले फिटनेस टेस्ट में असफल होने और घुटने की समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए बाहर कर दिया गया था पर अब वह फिट हो गये हैं। इसलिए उनके नाम पर विचार की पूरी संभावना है। वहीं चयनकताओं ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को सुझाव दिया है कि केवल टेस्ट सीरीज के लिए चुने जाने वाले खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी के लिए ट्रेनिंग कैंप के लिए दक्षिण अफ्रीका भेजा जाए।ह्व अभी पाकिस्तान की टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेल रही है। उन्होंने कहा कि बाबर के साथ-साथ शाहीन और नसीम को भी एकदिवसीय और टेस्ट टीम में शामिल किया जाये।

नायकों के चित्रण में सिनेमा और ओटीटी ने देखा बड़ा बदलाव

मुंबई

सिनेमा और ओटीटी के दौर में नैतिक रूप से जटिल और हिंस-ाक नायकों का उदय हुआ है। हाल के दिनों में नायकों के चित्रण में बड़ा बदलाव देखा है। ऐसा ही एक किरदार है विक्रांत, जिसे ताहिर राज भसीन ने ये काली काली आंखें में निभाया है। दूसरे सीजन में, विक्रांत एक बहुआयामी व्यक्तित्व बन जाता है।

ताहिर के सटीक अभिनय ने इस किरदार में गहराई और वास्तविकता का भाव जोड़ा है। विक्रांत सिर्फ हालात का शिकार नहीं है, बल्कि अपनी किस्मत का स्वयं निमार्ता है। सालार और एनिमल जैसी फिल्मों में एंटी-हीरो के उदय ने इस बदलाव को और स्पष्ट किया है। ऐसे किरदार, भले ही हमेशा पसंदीदा न हों, लेकिन उनकी गहराई और जटिलता दर्शकों को बांधने में सक्षम हैं। उनका हिंसक व्यवहार अक्सर उनके अंदरूनी संघर्षों या दुश्मनी भरे माहौल का प्रतीक होता है। ताहिर राज भसीन ने विक्रांत के रूप में जो किरदार निभाया है, वह उसकी हिंसा और संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाता है, जिससे वह एक सच्चा बहुआयामी चरित्र बन जाता है।

ताहिर कहते हैं, ह्लविक्रांत इच्छा और हताशा, प्रेम और बदले के बीच फंसा हुआ है। ये काली काली आंखें में उसकी यात्रा दो सीजन तक असहायता, अपराध बोध, मुक्ति और जीवन की कठोर सच्चाइयों से गुजरती है। उसकी कमजोरियों में दर्शकों को मानवीय आत्मा की जटिलता नजर आती है। इस किरदार को मिले प्यार और प्रशंसा ने मुझे बेहद खुशी दी है।ह्व उन्होंने आगे कहा, ह्लपहले सीजन में विक्र-ांत परिस्थितियों का शिकार है, लेकिन दूसरे सीजन में वह नियंत्रण अपने हाथों में लेता है और जैसे को तैसा के सिद्धांत पर चलता है। उसकी नैतिकता की पतली रेखा उसे एक ऐसा नायक बनाती है जो प्रेम के लिए लड़ता है या फिर नष्ट हो जाता है।

वायलेंट हीरो का यह दौर जारी रहेगा, खासकर तब जब दर्शक ऐसी कहानियां पसंद कर रहे हैं जो सीमाओं को चुनौती देती हैं।ह्व ताि-हर यह भी कहते हैं, ह्लमोरल रूप से जटिल और हिंसक नायकों के प्रति यह आकर्षण सिनेमा और ओटीटी में एक व्यापक ट्रेंड को दशार्ता है। नायक अब सिर्फ अपनी अच्छाई से नहीं बल्कि अपनी कमजोरियों, संघर्षों और निर्णयों से परिभाषित होते हैं। आज का दर्शक ऐसी क-हानियों को अधिक अपनाता है जो जीवन की जटिलताओं और अप्रत्याशित स्वरूप को दशार्ती हैं। यही कारण है कि वायलेंट हीरो, जिनके काम हिंसक हो सकते हैं लेकिन उनके दिल में करुणा होती है, अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं।

राशि ने भारतीय सेलिब्रिटी की लिस्ट में बनाई जगह

मुंबई

चालू सप्ताह में एक्ट्रेस राशि खन्ना का आईएमडीबी की ट्रेंडिंग सूची में शामिल होना उनकी बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों से मिली प्रशंसा को दशार्ता है। उन्होंने हाल ही में द साबरमती रिपोर्ट में निडर पत्रकार अमृता गिल की भूमिका निभाते हुए एक शक्तिशाली प्रदर्शन किया।

राशी के दिलचस्प चित्रण को दर्शकों और आलोचकों से व्यापक प्रशंसा मिली, जिससे एक बहुमुखी कलाकार के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। विक्रांत मैसी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, जिन्होंने एक पत्रकार की भूमिका भी निभाई, उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने फिल्म की मनोरंजक कहानी में गहराई जोड़ दी। गोधरा के पास साबरमती एक्सप्रेस घटना के आसपास की दुखद घटनाओं पर आधारित, यह फिल्म इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय पर प्रकाश डालती है, जिसमें राशी का प्रदर्शन एक आकर्षण के रूप में सामने आता है। इसके अलावा राशि अपनी आगामी फिल्म तलाखों में एक में विक्र-ांत मैसी के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार है, जो एक और आकर्षक सहयोग होने का वादा करती है। इसके अतिरिक्त, वह अपनी तेलुगु फिल्म तेलुसु कड़ा की रिलीज के लिए तैयारी कर रही हैं।

आईएमडीबी की ट्रेंडिंग सूची में राशी की उपस्थिति न केवल उनकी अपार प्रतिभा को रेखांकित करती है, बल्कि उन्हें भारतीय मनोरंजन परिदृश्य में सबसे अधिक मांग वाले सितारों में से एक के रूप में भी चिह्नित करती है। मालूम हो कि यह प्रतिष्ठित फीचर वैश्विक स्तर पर धूम मचाने वाले भारतीय सितारों को उजागर करता है, जो अभिनेताओं, निर्देशकों, लेखकों और अन्य को उनके प्रभाव और अपील के लिए मान्यता देती हैं।

आज तक नहीं भूल पाई वो डरावना अनुभव: सयानी गुप्ता

मुंबई

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस सयानी गुप्ता ने फिल्मों की शूटिंग को लेकर एक डरावना अनुभव शेयर किया है, जिसे वो आजतक नहीं भूल पाई हैं। सयानी गुप्ता ने सेट पर इंटीमेसी को लेकर बातचीत की और बताया कि बदलते समय के बाद काफी चीजें सुधर रही है।

अब इंटीमेट सीन या बोल्ड सीन शूट करते वक्त सेट पर इंटिमेसी कोर्डिनेटर और डायरेक्टर होते हैं। वह बहुत ही प्रोफेशनली शूट होते हैं। मगर एक बार उनके साथ ऐसा किस्सा हुआ था जिसे आज तक वह भूल नहीं पाई हैं। सयानी गुप्ता ने कहा, मैं इंटीमेसी को लेकर पूरी किताब लिख सकती हूं। मगर अब शुक्रगुजार हूं कि हमारे प्रोफेशन में अब इंटीमेसी कोर्डिनेटर होते हैं। मैंने साल 2013 में मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉ फिल्म में काम किया था। कुछ लोग कहते हैं कि इंटीमेट सीन करना आसान था क्योंकि बहुत ही टेक्निकल तरीके से होता है, लेकिन इसकी आड़ में कुछ लोग इसका फायदा भी उठाते हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने ये फेस किया है। एक बार एक एक्टर कट बोलने के बाद भी किस करता रहा था। मैं हैरान थीं। कभी कभी ये चीजें बहुत ही छोटी लगती हैं लेकिन नहीं होता है ऐसा। ये बहुत ही अभद्र बर्ताव था। इसके आगे उन्होंने सेट पर एक्टर्स की सुरक्षा की भी बात की।

अपनी हिट सीरीज फोर मोर शॉट्स का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया, गोवा में एक सीन होना था, जहां मैंने शॉर्ट ड्रेस कैरी की थी और समुद्र के किनारे लेटना था। मैं तब बहुत ही अनकंफर्टेबल महसूस कर रही थी। वहां 70 से ज्यादा आदमी खड़े थे। ऐसे बहुत बार होता है जहां एक्टर की सुरक्षा भी मायने रखती है। बता दें कि पगलेट और ख्वाबों का झमेला जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं सयानी गुप्ता बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। उन्होंने फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीता है।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो. 9219141431

किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा